Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 73
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
सोमवार,13 अक्टूबर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया किसना के नए | 4 महामारी का सबब बन सकते हैं बर्फ से निकलते दैत्य | 5 कहां से होती है युजवेंद्र की एक्स वाइफ की कमाई

सरदार पटेल की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाएगी यूपी सरकार

वो अखंड भारत के शिल्पी थेः सीएम

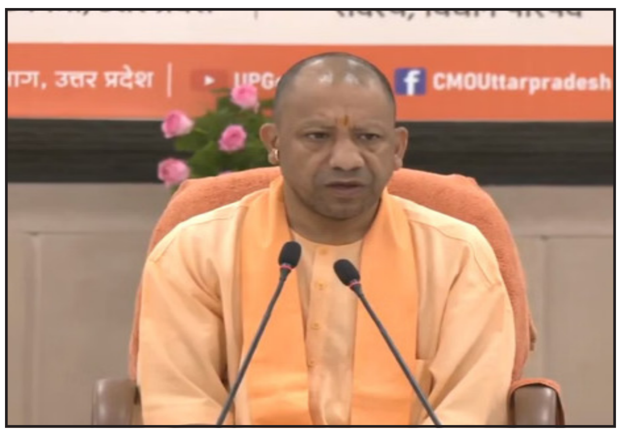

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर उत्तर प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वह अखंड भारत के शिल्पी थे।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। इसके लिए योगी सरकार तैयारी में जुट गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरदार पटेल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं बल्कि अखंड भारत के शिल्पी थे। आज हमें जैसा भारत नजर आता है वो सरदार पटेल के कारण ही है। 31 अक्तूबर को उनकी जयंती पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए चर्चा की जा रही है। सीएम योगी ने प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रदेश भर में 31 अक्तूबर को रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। सरकार और भारतीय जनता पार्टी मिलकर इसे भव्य-दिव्य बनाएगी। वहीं 31 अक्तूबर से 26 नवंबर के बीच सरदार @150 यूनिटी मार्च आयोजित किया जाएगा। इसका हिस्सा प्रदेश के हर जनपद के खिलाड़ी, कलाकार समेत पांच-पांच युवा बनेंगे। ये सभी युवा लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म भूमि से लेकर केवड़िया गुजरात तक की 150 किलोमीटर की यात्रा से जुड़ेंगे। इन सभी को चार प्रमुख केंद्र होते हुए सरदार साहब की पावन जन्मभूमि तक बस द्वारा पहुंचाया जाएगा। इसके बाद यहां से सभी 150 किलोमीटर की पद यात्रा में शामिल होंगे। इस राष्ट्रीय पद यात्रा में सरदार साहब की जन्मभूमि करमसद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवड़िया तक की यात्रा गुजरात में आयोजित होगी। यह राष्ट्रीय पद यात्रा होगी, जिसमें हजारों युवा अभियान का हिस्सा बनेंगे। सभी युवा जन जागरण अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएंगे। यह जानकारी रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रेसवार्ता में पत्रकारों को दी। स्थानीय स्तर पर आयोजित किये जाएंगे विभिन्न कार्यक्रम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि प्रदेश की हर लोकसभा क्षेत्र में तीन दिवसीय 8 से 10 किलोमीटर की पदयात्रा निकाली जाएगी, जो सभी विधानसभा से होकर गुजरेगी। पदयात्रा से पहले स्थानीय स्तर पर आम जनमानस में जागरूकता पैदा करने के लिए कई कार्यक्रम भी आयोजित किये जाएंगे। इसमें भारत की एकता और अखंडता में सरदार साहब के योगदान पर निबंध, वाद-विवाद प्रतियोगिता, सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन पर आधारित संगोष्ठी, नुक्कड़ नाटक आदि होंगे। इसके अलावा युवाओं के लिए नशा मुक्त भारत शपथ ग्रहण कार्यक्रम, विभिन्न क्षेत्रों में वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल अभियान का आयोजन होगा। योग और स्वास्थ्य से संबंधित शिविर भी लगेगा। पूरे प्रदेश में विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। इसके अलावा पद यात्रा के दौरान स्थानीय कमेटियों, विभिन्न समाजसेवी संगठनों, सांस्कृतिक संगठनों द्वारा सरदार साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण-श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

राजमाता सिंधिया के समाज सेवा के प्रयासों को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा : मोदी

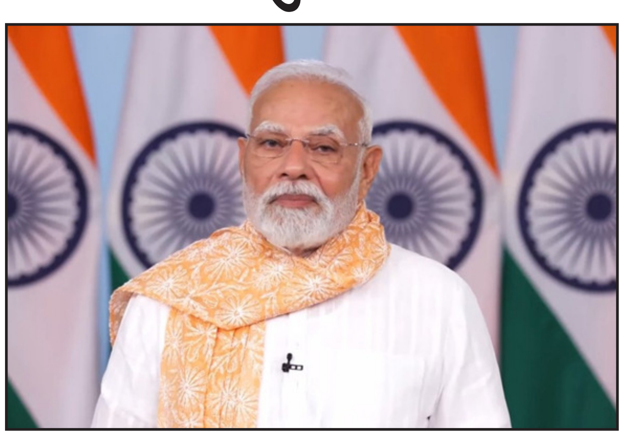

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संस्थापक सदस्य राजमाता विजयाराजे सिंधिया की जयंती पर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, समाज सेवा के उनके प्रयासों को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। उन्होंने जनसंघ और भाजपा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री ने कहा, विजयाराजे सिंधिया जी हमारी सांस्कृतिक जड़ों के प्रति गहरी आस्था रखती थीं और उनकी रक्षा करने के साथ-साथ उन्हें लोकप्रिय बनाने के लिए हमेशा काम करती थीं। ग्वालियर की राजमाता के नाम से जानी जाने वाली सिंधिया का जन्म 12 अक्टूबर 1919 को मध्य प्रदेश के सागर में हुआ था। लोकसभा की सात बार सदस्य रहीं सिंधिया ने 25 जनवरी 2001 को अंतिम सांस ली थी।

40,500 से अधिक धावकों ने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लिया

खेल मंत्री थलसेना, नौसेना समेत शीर्ष अधिकारी भी रहे मौजूद

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू हुई वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के 20वें संस्करण रविवार को 40,500 से अधिक धावकों ने भाग लिया। केन्या के धावक एलेक्स मटाटा ने पुरुषों की रेस 59रू50 मिनट में जीती, जबकि हमवतन लिलियन कासैट रेंगरुक ने 1.07.20 घंटे के समय के साथ महिलाओं का ताज अपने नाम किया। भारत के अभिषेक पाल ने 1.04.17 घंटे में अपना तीसरा वीडीएचएम खिताब जीता। इसी तरह सीमा ने महिलाओं की रेस में 1.11.23 घंटे का समय लेकर जीत हासिल की। आज यहां दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही, थलसेना, नौसेना और वायुसेना के शीर्ष अधिकारी भी मौजूद थे। मैराथन में हर वर्ग के प्रतिभागी, पेशेवर, छात्र, सैनिक, वरिष्ठ नागरिक और अन्य इसका हिस्सा बनने पहुंचे। मैराथन को इस वर्ष के आयोजन में एक बार फिर ग्रेट दिल्ली रन, चौंपियंस विद डिसेबिलिटी रन और सीनियर सिटीजन रन जैसी श्रेणियों के माध्यम से समावेशिता और विविधता का जश्न मनाया गया। हर एक रेस वर्ग में अदम्य मानवीय भावना की प्रतिध्वनि थी।

14,000 से अधिक प्रतिभागियों ने ग्रेट दिल्ली रन का उपयोग अपने दिल के करीब सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए किया।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बीच हिंसक झड़प को लेकर मुस्लिम देशों ने चिंता जाहिर की, बोले- दोनों देश आत्मसंयम बरतें

नई दिल्ली। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जारी हिंसक झड़प को लेकर ईरान, कतर और सऊदी अरब समेत मुस्लिम देशों ने चिंता जाहिर की है। काबुल में पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक के बाद अफगानिस्तान ने पलटवार किया, जिसके बाद सीमा पर दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। सऊदी अरब और कतर ने बयान जारी कर दोनों पक्षों से आत्मसंयम बरतने और तनाव कम करने का आग्रह किया है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सऊदी अरब इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में हो रहे तनाव और झड़पों पर चिंता व्यक्त करता है। हम दोनों देशों से संयम बरतने, तनाव बढ़ाने से बचने और सुरक्षा व स्थिरता बनाए रखने में योगदान देने के लिए बातचीत और समझदारी अपनाने का आह्वान करते हैं। मंत्रालय ने आगे कहा कि राज्य शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किए जा रहे सभी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के लिए अपने समर्थन और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है ताकि भाईचारे वाले पाकिस्तानी और अफगानी लोगों के लिए स्थिरता और समृद्धि प्राप्त हो। वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी इस्लामाबाद और काबुल से संयम बरतने का आह्वान किया। अराघची ने सरकारी टेलीविजन को दिए एक इंटरव्यू में कहा, हमारा रुख यह है कि दोनों पक्षों को संयम बरतना चाहिए। दोनों देशों के बीच स्थिरता, क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान देती है।ष वहीं कतर ने दोनों पक्षों से बातचीत, कूटनीति और संयम को प्राथमिकता देने और मतभेदों को इस तरह नियंत्रित करने का आग्रह किया जिससे तनाव कम हो सके। विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि कतर, अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से सभी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करता है और दोनों देशों के लोगों की सुरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। हाल ही में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर हुई झड़पों में कई लोग हताहत हुए।

महागठबंधन में कोई पेचीदगी या अड़चन नहीं, सभी दलों से बातचीत के बाद सीटों की घोषणा होगीः खेड़ा

रांची। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर चल रही खींचतान और भाजपा नेताओं के बयानों पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पलटवार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महागठबंधन में कोई पेचीदगी या अड़चन नहीं है। सभी दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे। रांची में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि पहले सभी दलों के बीच बातचीत होगी, उसके बाद ही सीटों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने भाजपा की उन उम्मीदों को खारिज किया, जिनमें कहा जा रहा था कि महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर विवाद होगा। खेड़ा ने कहा कि भाजपा की यह उम्मीद गलत साबित हो रही है। सभी दलों को अपनी बात रखने का अधिकार है और सभी ऐसा कर रहे हैं। हमारी तरफ से कोई पेचीदगी नहीं है। मुकेश सहनी के बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि सभी को अपनी बात रखने का हक है। हमारे यहां कोई पेंच नहीं है। जेएमएम के अकेले चुनाव

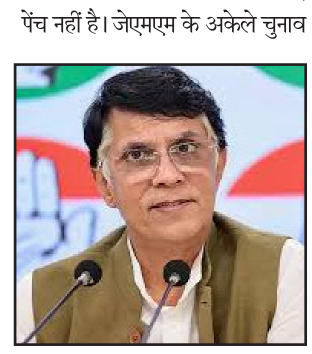

लड़ने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि चिंता करने की बात नहीं है। हम सभी मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। दुगार्पुर बलात्कार मामले में कांग्रेस नेता ने कहा कि देशभर में जहां भी महिलाओं पर अत्याचार होते हैं, कई सवाल उठते हैं, लेकिन जवाब नहीं मिलते। पूरे देश में यही स्थिति है। मेरा मानना है कि सरकार और समाज को मिलकर महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का सामना करना होगा और उन्हें दूर करना होगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के घुसपैठ वाले बयान पर खेड़ा ने तंज कसते हुए कहा कि झारखंड चुनाव में घुसपैठिए आए। एनडीए हार गई तो घुसपैठिए चले गए। अब बिहार चुनाव आएं हैं तो घुसपैठिए फिर आ जाएंगे, हारेंगे तो फिर चले जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में 80,000 घुसपैठियों को देश से बाहर किया था, जबकि पिछले 11 सालों में वर्तमान सरकार ने केवल 7,000 से 8,000 घुसपैठियों को बाहर किया है। यह इनका रिपोर्ट कार्ड है। पवन खेड़ा ने कहा कि सीमा सुरक्षा केंद्र सरकार के अधीन है।

खरगे ने सिद्दारमैया को लिखा पत्र , आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को पत्र लिखकर राज्य के सरकारी परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। यह पत्र 4 अक्टूबर को लिखा गया था, जिसे अब सीएम मीडिया टीम ने सार्वजनिक किया है। प्रियांक खरगे ने पत्र में लिखा, जब समाज में नफरत फैलाने वाली विभाजनकारी ताकतें सिर उठाती हैं, तो हमारे संविधान के मूल सिद्धांत (एकता, समानता और अखंडता) हमें उन्हें रोकने का अधिकार देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस की शाखाएं सरकारी और अर्ध-सरकारी स्कूलों, सार्वजनिक मैदानों, मंदिरों, पार्कों और पुरातत्व विभाग के स्थलों पर चल रही हैं। यहां बिना पुलिस अनुमति के लाठी (दंड) के साथ आक्रामक प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जिससे बच्चों और युवाओं के मन पर नकारात्मक और विभाजनकारी विचारों का असर पड़ रहा है। उन्होंने आगे लिखा, देश के बच्चों, युवाओं और समाज के मानसिक स्वास्थ्य और विकास के हित में आरएसएस की सभी गतिविधियों को सरकारी परिसरों में प्रतिबंधित किया जाए। इस पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा, प्रियांक खरगे ऐसे पत्र लिखने वाले कौन होते हैं? आरएसएस पर बोलने या टिप्पणी करने से पहले उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के योगदान को समझना चाहिए। कांग्रेस सरकार के दौरान भारत-चीन युद्ध में भूमिका के लिए आरएसएस की सराहना की गई थी और उसे गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। प्रियांक खरगे को यह समझना चाहिए।

केवल कुछ लोगों के लिए विशेषाधिकार नहीं बननी चाहिए शिक्षा, यह आजादी की असली नींव :राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा सबके लिए होनी चाहिए। यह केवलकुछ लोगों का विशेष अधिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को लोकतांत्रिक माहौल में विकसित होने वाली वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली बनानी चाहिए और इसके लिए पेरू या अमेरिका से साझेदारी मददगार हो सकती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत को ऐसी शिक्षा व्यवस्था की जरूरत है, जो देश की विविधता को दर्शाए और केवल कुछ लोगों के लिए ही विशेष अधिकार न बन जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही आजादी की

असली नींव है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यह भी कहा कि भारत को ऐसी वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली (मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम) खड़ी करनी होगी, जो लोकतांत्रिक प्रणाली में विकसित हो सके। उन्होंने यह भी सुझाव भी दिया कि अमेरिका या पेरू के साथ साझेदारी इस दिशा में एक सही कदम हो सकता है। राहुल गांधी ने पेरू के पॉन्टिफिकल कैथोलिक विश्वविद्यालय और चिली विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत की। बातचीत शिक्षा, लोकतंत्र और भू-राजनीति जैसे मुद्दों पर केंद्रित रही। कांग्रेस ने राहुल गांधी की इस बातचीत का वीडियो एक्स पर साझा करते हुए लिखा, भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली की जरूरत है, जो लोकतंत्र में विकसित हो। ऐसे में पेरू या अमेरिका के साथ साझेदारी आगे का रास्ता हो सकती है। राहुल गांधी ने कहा, शिक्षा की शुरूआत जिज्ञासा से होती है और यह तभी सही दिशा में जाती है ,जब बिना किसी डर या सामाजिक-राजनीतिक बंदिशों के सोचने और सवाल पूछने की पूरी आजादी हो। शिक्षा केवल कुछ लोगों के लिए विशेष अधिकार नहीं बननी चाहिए, क्योंकि यह स्वतंत्रता की बुनियाद है। भारत को ऐसी शिक्षा प्रणाली की जरूरत है जो वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दे, आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करे और देश की विविधता को दर्शाए। कांग्रेस ने बताया कि राहुल गांधी ने पेरू के पोंटिफिकल कैथोलिक विश्वविद्यालय और चिली विश्वविद्यालय का दौरा किया और छात्रों के साथ गहरी बातचीत की। पार्टी ने कहा, यह संवाद शिक्षा, लोकतंत्र और वैश्विक राजनीति जैसे विषयों पर केंद्रित रहा और इस पर भी चर्चा हुई कि मौजूदा बहुध्रुवीय विश्व में भारत को आगे कैसे बढ़ना चाहिए। राहुल गांधी कोलंबिया, ब्राजील, पेरू और चिली के एक सप्ताह लंबे दौरे पर हैं।

संछिप्त खबरे

महागठबंधन की प्रेस कॉन्फ्रेंस, होगा सीट बंटवारे का ऐलान

नई दिल्ली। महागठबंधन कल एक बड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा, जिसमें सीट बंटवारे का ऐलान हो जाएगा। अगर तब तक एनडीए ने घोषणा नहीं की, तो फिर यह तय है कि कम से कम इस मामले में तो एनडीए महागठबंधन से पिछड़ ही गया है। बिहार विधानसभा चुनाव पर राजद नेता भाई वीरेंद्र ने कहा, सब ठीक है और कल 13 अक्टूबर को महागठबंधन की प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी और सबकुछ पता चल जाएगा। सब ठीक है और कल घोषणा हो जाएगी। बता दें कि आज ही तेजस्वी यादव, लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के साथ दिल्ली पहुंचे हैं, जहां उनकी मुलाकात राहुल गांधी से होगी। इसके बाद सीटों के फाइनल फैसले पर मुहर लगेगी और कल प्रेस कांफ्रेंस में ऐलान होगा।

बोले- शोक की घड़ी में परिवार के साथ खड़े हैं :खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हरियाणा कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि शोक की घड़ी में वह पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि जब हम चाँद पर झंडा गाड़ कर गौरवान्वित हो रहे हैं, तो संविधान ने जिन लोगों पर जनता के दुख तकलीफ और पीड़ा से मुक्ति दिलाने का दायित्व सौंपा है, उनको भी सुरक्षित नहीं रख पा रहे हैं और यह शर्मनाक और चिंता का विषय है। खरगे ने लिखा जब देश प्रगति और गौरव की बात करता है, तब यह शर्मनाक है कि हम अब भी उन लोगों की रक्षा नहीं कर सके जो संविधान की भावना के अनुरूप समाज के दुःख और अन्याय को मिटाने का कार्य कर रहे थे। खरगे ने पूर्व आईपीएस अधिकारी की पत्नी अमनीत पी कुमार को लिखे पत्र में कहा षमैं पत्र को अत्यंत दुःख और भावनात्मक व्यथा के साथ लिख रहा हूँ।

राजद के दो विधायक विभा देवी और प्रकाशवीर ने बिहार विधानसभा से दिया इस्तीफा

नवादा। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है और पार्टी के दो विधायकों, नवादा सीट से विभा देवी और रजौली विधानसभा क्षेत्र से प्रकाशवीर ने विधानसभा में अपनी सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इन दोनों नेताओं ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव के समक्ष अपना इस्तीफा सौंप दिया। विधायक विभा देवी नवादा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व मंत्री और प्रभावशाली राजद नेता राजबल्लभ यादव की पत्नी हैं। रजौली से विधायक प्रकाशवीर भी नंद किशोर यादव के नजदीकी माने जाते हैं और लंबे समय से उनके राजनीतिक संपर्क में रहे हैं। विधायक विभा देवी ने अपने त्यागपत्र में कहा कि वह अपनी इच्छा से विधायक पद से इस्तीफा दे रही हैं और उन्होंने अध्यक्ष से अपना इस्तीफा स्वीकार करने का अनुरोध किया। इसी तरह प्रकाशवीर ने भी अपने पत्र में उल्लेख किया कि वह भी बिहार विधानसभा की सदस्यता छोड़ रहे हैं। दोनों विधायकों के इस्तीफे ने राजनीतिक अटकलों को हवा देते हुए संकेत दिया है कि उनकी राजनीतिक राह बदल सकती हैं। नवादा जिला राजद सुप्रीमो लालू परिवार का पारंपरिक गढ़ माना जाता है और इन दोनों विधायकों का इस्तीफा ऐसे समय पर आया है जब प्रदेश के सभी प्रमुख दल राज्य विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे हैं।

मध्य रेल के सोलापुर मंडल स्थित डॉ. कोटनीस मेमोरियल रेलवे अस्पताल में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया

मध्य रेल के सोलापुर मंडल स्थित डॉ. कोटनीस मेमोरियल मंडल रेलवे अस्पताल ने मानसिक स्वास्थ्य और तनाव मुक्त कार्यस्थलों को बढ़ावा देने के लिए बड़े उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया। कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नैदानिक मनोवैज्ञानिक और अतिथि व्याख्याता सुश्री श्रेया गरमपट्टी ने कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन पर एक आकर्षक और ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने दैनिक तनावों से निपटने के व्यावहारिक तरीके बताए और एक स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. मंजूनाथ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में आत्म-सम्मान, खुले संवाद और सक्रिय श्रवण की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पौष्टिक आहार, नियमित

व्यायाम और संगीत चिकित्सा सहित एक संतुलित जीवन शैली अपनाने के महत्व पर भी जोर दिया। इस सत्र में डॉक्टरों, फार्मासिस्टों, नर्सिंग स्टाफ, मरीजों और उनके रिश्तेदारों सहित 100 से अधिक उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संवादात्मक चचाओं और विशेषज्ञों की राय को खूब सराहा गया, जिससे यह कार्यक्रम जानकारीपूर्ण और प्रभावशाली बना। यह कार्यक्रम मंडल चिकित्सा अधिकारी (डीएमओ) डॉ. विनोद के सहयोग से आयोजित किया गया और मुख्य नर्सिंग पर्यवेक्षक (सीएनएस) श्री राहुल गंबारे द्वारा कुशलतापूर्वक समन्वित किया गया। सहायक नर्सिंग अधिकारी (एएनओ) श्रीमती सखारे ने कार्यक्रम के आयोजन और इसके सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. कोटनीस मेमोरियल रेलवे अस्पताल में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस समारोह ने सफलतापूर्वक यह संदेश दिया कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। सोलापुर मंडल समग्र कल्याण पर जोर देता रहा है और सभी रेल कर्मियों के लिए एक सहायक और स्वस्थ कार्य वातावरण बनाने का प्रयास करता रहा है।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 5 महिला अधिकारियों सहित 26 कर्मियों के दल के साथ नई दिल्ली में वेदांता हाफ मैराथन 2025 में भाग लिया

रेल मंत्रालयआरपीएफ दल का विषय ऑपरेशन नाकोर्सः आरपीएफ मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध युवाओं में मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने, रेलवे नेटवर्क के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए बल के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है ।

गोरखपुर : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) आज जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम नईदिल्ली में आयोजित वेदांता हाफ मैराथन 2025 में शामिल हुआ। 5 महिला अधिकारियों सहित विभिन्न रैंकों के 26 कर्मियों के दल ने आरपीएफ महानिदेशक आईपीएस सुश्री सोनाली मिश्रा के मार्गदर्शन में इस प्रतिष्ठित आयोजन में बल का प्रतिनिधित्व किया। आरपीएफ दल का नेतृत्व महानिरीक्षक/निर्माण/उत्तर रेलवे श्रीमती कमलजोत बरार ने किया। ऐसे आयोजनों में आरपीएफ की भागीदारी अपने कर्मियों में शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। वेदांता हाफ मैराथन 2025 के लिए आरपीएफ दल का विषय ऑपरेशन नाकोर्सः आरपीएफ अगेंस्ट ड्रग ट्रैफिकिंग था। यह विषय युवाओं में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने, रेलवे नेटवर्क के माध्यम से नशीली दवाओं की तस्करी पर अंकुश लगाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने के आरपीएफ के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है। आरपीएफ यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के अपने मिशन में अडिग है। साथ ही राष्ट्रीय उद्देश्यों को आगे बढ़ने के लिए समर्पित एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार बल के रूप में अपनी भूमिका को भी निभाता है।

लखीमपुर स्टेशन पर प्रसाधन की सफाई करते हुये सफाई मित्र

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के बारहवें दिन 12 अक्टूबर, 2025 को स्वच्छ प्रसाधन एवं स्वच्छ पर्यावरण थीम के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्रसाधनों की गहन साफ-सफाई की गई तथा पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु यात्रियों को जागरूक किया गया। 12 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों, कोचिंग डिपो, कार्यालयों, चिकित्सालयों, स्वास्थ्य इकाइयों, रेलवे आवासी कॉलोनियों में प्रसाधनों की साफ-सफाई की गई। लीकेज पाइप्स, ड्रेनेज सिस्टम आदि की मरम्मत की गई। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से रेलवे ट्रैक पर गंदगी न करने हेतु लोगों को जागरूक किया गया। स्टेशनों पर दिव्यांगजनो के प्रसाधनों की सफाई की गई। पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया। साथ ही नवोन्मेशी कार्य करते हुये निराकृत सामग्रियों से ह्यवेस्ट टू वेल्थह्य (कलाकृतियाँ) पर प्रदर्शनी लगाई गई। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, वाराणसी सिटी, बनारस, बलिया, भटनी, बेलथरा रोड, छपरा, देवरिया सदर, गाजीपुर सिटी, मऊ, सुरेमनपुर, सीवान एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाकर ह्यस्वच्छ प्रसाधन एवं स्वच्छ पर्यावरणह्य थीम के अन्तर्गत प्रसाधनों की गहन सफाई की गई तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्रेशर मशीन से जन प्रसाधन की सफाई की गई। लीकेज पाइप्स, ड्रेनेज सिस्टम आदि की मरम्मत की गई। साथ ही दिव्यांगजन प्रसाधनों की सफाई की गई तथा आवश्यक सुधार किये गये। ह्यवेस्ट टू वेल्थह्य (कलाकृतियाँ) पर प्रदर्शनी लगाई गई।

बालिका सशक्तिकरण से ही राष्ट्र निर्माण सम्भवः डा. प्रदीप

बालिका दिवस

शक्तिनगर, सोनभद्र। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं तृतीय की ओर से शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर परिचर्चा आयोजित की गई। इस मौके पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता कर रहे संस्था के प्रभारी डॉ० प्रदीप यादव ने कहा कि आज का दिन बालिकाओं के लिए काफी महत्वपूर्ण है। बालिकाएं अपने कर्तव्य एवं अधिकार के प्रति सजग होकर देश के विकास में सहभागी बने। बालिकाएं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, केवल उन्हें अवसर एवं सम्मान देने की आवश्यकता है। विशिष्ट वक्ता विश्वविद्यालय परिसर के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ० मानिकचंद पांडेय ने कहा कि एनटीपीसी परिसर जनजातीय क्षेत्र में बालिका सशक्तिकरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां की छात्राएं देश के विभिन्न भागों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रही हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ० छोटे लाल प्रसाद ने बालिका सशक्तिकरण और जन उपयोगी शिक्षा के क्षेत्र में एनटीपीसी परिसर की छात्राओं के प्रदर्शन को सराहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं अध्यापक गण उपस्थित रहे और अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० विनोद पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर ज्योति, पल्लवी, हिमांशु, प्रभा सोंधिया, पूनम कुमारी, खुशबू, पूजा, शालिनी, सलोनी, राजन, ज्योति कुमारी सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने थाना समाधान दिवस पर की जनसुनवाई

समाधान दिवस

मिर्जापुर। थाना समाधान दिवस पर जिलाधिकारी पवन गंगवार एवं अपर पुलिस अधीक्षक नक्सल मनीष मिश्रा ने थाना चील्ह पर आने वाले फरियादियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आने वाले फरियादियों से विनम्र व्यवहार रखते हुए उनकी समस्याओं को सुनते हुए त्वरित न्याय दिलाए जिससे लोगों में पुलिस के प्रति अच्छा संदेश जाए। आगामी त्यौहारों को देखते हुए पुलिस अधिकारी क्षेत्रों में भ्रमणशील रहते हुए पेट्रोलिंग करे। थाना दिवस के उपरान्त जिलाधिकारी ने थाना में ही बनाए गए मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बनाए गए रजिस्टर का अवलोकन तथा पुलिस अधिकारियों से वार्ता कर जानकारी लिया। उन्होंने कहा कि स्कूलों में कार्यशाला का आयोजन करते हुए स्कूली बच्चियों को जागरूक किया जाए कि कैसे वे अपनी सुरक्षा स्वंय कर सकें तथा बनाए हेल्प लाइन नम्बर का पोस्टर, पम्पप्लेट के माध्यम से प्रचार प्रसार करते हुए महिलाओं व बालिकाओं में जागरूकता लाई जाए।

इसी क्रम में उपजिलाधिकारी सदर गुलाब चन्द्र एवं नायब तहसीलदार द्वारा थाना कोतवाली शहरर, उपजिलाधिकारी द्वारा थाना को0 कटरा, लालगंज, ड्रमण्डगंज व अदलहाट, नगर मजिस्ट्रेट द्वारा थाना विन्ध्याचल, क्षेत्राधिकारी सदर व तहसीलदार द्वारा थाना को0 देहात, नायब तहसीलदार द्वारा थाना कछवां, तहसीलदार द्वारा थाना पड़री व हलिया, अपर जिलाधिकारी व नायब तहसीलदार द्वारा थाना जिगना, उपजिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी चुनार द्वारा थाना चुनार पर सम्बन्धित प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण व राजस्व विभाग द्वारा थाने पर आने वाले आमजन की समस्याएं सुनकर मौके पर निस्तारण कराया तथा शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर रवाना किया।

01, 03 एवं 05 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस वाराणसी मंडल में 35 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन परिचालनिक सुगमता हेतु झिलाही-मोतीगंज स्टेशनों के मध्य इंजीनियरिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ियों का रि-शिड्यूलिंग एवं नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा।

रि-शिड्यूलिंग-

-पूर्णिया कोर्ट से 13, 15, 20, 22, 27 एवं 29 अक्टूबर तथा 03 एवं 05 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 05579 पूर्णिया कोर्ट-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी पूर्णिया कोर्ट से 03 घंटे 30 मिनट रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

-मानसी से 12, 14, 16, 19, 21, 23, 26, 28 एवं 30 अक्टूबर तथा 02, 04 एवं 06 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 04453 मानसी-नई दिल्ली विशेष गाड़ी मानसी से 02 घंटे रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

-कटिहार से 15, 22 एवं 29 अक्टूबर तथा 05 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 05736 कटिहार-अमृतसर विशेष गाड़ी कटिहार से 01 घंटा 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

नियंत्रण-

-कटिहार से 13, 15, 18, 20, 22, 25, 27 एवं 29 अक्टूबर तथा 01, 03 एवं 05 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस वाराणसी मंडल में 35 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विशाल मानसिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित

शिविर

प्रतापगढ़। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर डॉ सोने लाल पटेल स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय में ह्वविशाल मानसिक स्वास्थ्य शिविरह्व का आयोजन जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 शैलेन्द्र कुशवाहा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर किया। चारु नर्सिंग कालेज और एजुकेशन के 250 से ज्यादा बच्चों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के बारे में लोगों को जागरूक करने हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यलय से चौक घंटाघर, पंजाबी मार्केट तक रैली निकालकर प्रचार–प्रसार किया गया। शिविर का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव व विधायक सदर प्रतिनिधि अरूण मौर्य ने किया। शिविर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ए0 एन0 प्रसाद ने शिविर में उपस्थित जनसमूह और विभागीय कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के मानसिक रोग बारे मे विस्तार से बताया। डॉ अमित कुमार सहायक प्रोफेसर द्वारा मानसिक स्वास्थ्य संबंधित बीमारियों एवं लक्षणों, मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम 2017 के बारे में जानकारी दी गई। डॉ ज्ञानेंद्र मौर्या चिकित्सा अधिकारी ने कार्यस्थल पर कैसे तनाव मुक्त होकर कार्य करें, के बारे में विस्तार से बताया। मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश मौर्या ने समाज मे व्याप्त भ्रांति को समाप्त करने के लिए प्रेरित किया गया एवम मानसिक रोग से ग्रसित मरीजों के सामाजिक उत्थान के लिए सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। शिविर में चिन्हित किये गये मानसिक विकारों से पीड़ित मरीजों का चिकित्सकीय परीक्षण करते हुये बताया गया कि मानसिक रोग विभाग की ओ0पी0डी0 मेडिकल कॉलेज के जिरियाट्रिक कक्ष में प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से अपरान्ह 2 बजे और मानसिक स्वास्थ्य टेली मानस टोल फ्री नम्बर 14416 (247) पर कोई समस्या होने पर सम्पर्क करने को बताया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष ने सरकार द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दिया जिसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष व विधायक सदर प्रतिनिधि ने मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इमरजेन्सी वार्ड के चिकित्सकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

प्रशिक्षण

चंदौली। राहत आयुक्त कार्यालय एवं जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में जनपद चन्दौली के विकास भवन सभागार में सर्पदश न्यूनीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत इमरजेन्सी वार्ड चिकित्सकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला हुआ। सर्पदंश न्यूनीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिलाधिकारी चन्द्र मोहन गर्ग/अध्यक्ष जिला आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण के दिशा निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी(वि०/रा०) राजेश कुमार की देख-रेख में मुख्य चिकित्साधिकारी युगल किशोर राय के समन्वय से राज्य स्तर से प्रशिक्षित 05 क्लिनिकल मास्टर ट्रेनरों द्वारा, 55 आपातकालीन वार्ड चिकित्सकों का दिनाक 08.10.2025 को विकास भवन सभागार जनपद चन्दौली में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ, सरस्वती वदना एवं द्वीप प्रज्वलन से जिलाधिकारी चन्द्र मोहन गर्ग ने किया। जिलाधिकारी द्वारा प्रशिक्षण में आये प्रतिभागियों को सर्पदंश न्यूनीकरण का महत्व समझाते हुए स्पष्ट शब्दों में बताया कि इस प्रशिक्षण के उपरान्त सर्पदश के मामलो में दिया जाने वाला उपचार व्यवस्थित एवं ससमय हो। इसके लिए आने वाले समय में फील्ड लेवल कार्यकताओं का प्रशिक्षण कराया जायेगा। जनता को सर्पदंश के मामलों में फैली अन्तियों को दूर करने हेतु जागरुक किया जायेगा। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सर्प बचावकताओं का नेटवर्क तैयार किया जायेगा, जो भविष्य में घरों, पशुशालाओं, स्कूलों, सर्वाजनिक स्थलों अथवा ऐसे स्थान जहा पर सर्प के होने से मानव अथवा पशुओं को नुकसान होने की संभावना हो। ऐसी स्थिति में सर्प को बधाकर उनके सुरक्षित आश्रय स्थलों के तरफ छोड़े जाने जाने की व्यवस्था होगी। जनसमान्य के सुविधा हेतु सर्पदंश/सर्प दिखाई देने के स्थिति में सहायता हेतु सरकार द्वारा निःशुल्क हेल्प लाइन नम्बर 1070 जारी किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राजेश कुमार ने किया। सर्पदंश न्यूनीकरण के प्रथम चरण में विगत वर्षों के सर्पदश से हुई घटनाओं का विवरण देते हुए इसके न्यूनीकरण की कड़ी में इस कार्यक्रम के महत्व को समझाया। मुख्य चिकित्साधिकारी डा० युगल किशोर राय ने सर्पदंश क्लिनिकल प्रबन्धन पर विस्तृत जानकारी दिया। डा ०निशान्त उपाध्याय, डा० सौरभ जायसवाल, डा० अरविन्द एवं डा० संजीव ने निर्धारित प्रशिक्षण सत्रों के अनुसार इमरजेन्सी वार्ड डाक्टरों का प्रशिक्षण कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभारी अधिकारी (आपदा) विजय त्रिवेदी, आपदा सलाहाकार मो० गफ्फार हुमायूँ, आपदा विशेषज्ञ प्रीती, शिखा श्रीवास्तव, आपदा लिपिक चन्द्रकान्त सहित डीडीएमए की टीम उपस्थित रही।

त्योहारों के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा विभाग ने चलाया जांच अभियान

अभियान

मुगलसराय। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश के क्रम में पर्व एवं त्योहार के मद्देनजर जनपद चंदौली में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा कमल निवास त्रिपाठी मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में मिलावट के विरुद्ध सघन अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। जनपदीय टीम द्वारा मुगलसराय कस्बे के अलीनगर स्थित पनीर, दही, खोया की दुकान का निरीक्षण कर कुल दो नमूनों का एवं मुगलसराय कस्बे में स्थित राज वैभव स्वीट हाउस से गुलाब जामुन, बूंदी का लड्डू एवं बर्फी का नमूना संकलित किया गया। विभाग द्वारा जनपद में मिलावट के संभावित स्थानों से अभिसूचना एकत्रित की जा रही है। दीपावली का त्यौहार मुख्यतः मिठाइयों का त्यौहार है।खोया में मिलावट होने से आम जनमानस को स्वास्थ्य से संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के सहायक आयुक्त खाद्य-क्क कुलदीप सिंह ने बताया कि आम जनमानस मिठाइयां को खरीदते समय उसकी क्वालिटी के संबंध में यह अवश्य जांच कर लें कि उस मिठाई में नकली चांदी वर्क या ज्यादा रंगों का प्रयोग तो नहीं किया गया है। ऐसी मिठाइयों को खाने से बचें। आम जनमानस से अनुरोध है कि किसी भी प्रकार की मिलावट की सूचना के संबंध में शिकायत विभाग के मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के मोबाइल नंबर 8887890254 पर दर्ज कराएं। विभाग द्वारा उस पर त्वरित कार्यवाही संपादित कराई जाएगी। जनपद की किराना एवं मिठाई की दुकानों पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा फूड सेफ्टी कनेक्ट एप चिपकाया जा रहा है जिससे आम जनमानस अपनी शिकायत उस पर भी दर्ज करा सके।

स्मृति मंधाना ने पूरे 5000 वनडे रन, दुनिया की पांचवीं और दूसरी भारतीय महिला

विशाखापत्तनम। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने भारत को दमदार शुरूआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 155 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान मंधाना ने 46 और प्रतिका ने 69 गेंदों में अर्धशतक पूरे किए। मंधाना ने अपने 33वें वनडे अर्धशतक के साथ तमाम उपलब्धियां हासिल कर लीं। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान और स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 80 रनों की शानदार पारी खेलकर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। बाएं हाथ की बल्लेबाज ने वनडे में 5000 रन पूरे कर लिए और दुनिया में पांचवीं व भारत के लिए ऐसा करने वाली दूसरी बल्लेबाज बन गईं। बता दें कि, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला विश्व कप का 13वां मुकाबला विशाखापत्तनम में खेला जा रहा है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने टॉस जीतकर मेजबानों को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है।

संक्षिप्त समाचार

120 छात्राओं का हुआ दंत परीक्षण

ग्वालियर। हिन्दी विद्यापीठ स्कूल सिकंदर कम्पू में विश्व नारी अभ्युदय संगठन द्वारा दंत परिक्षण शिविर लगाया गया। जिसमें 120 छात्राओं का दंत परीक्षण किया गया। इसके साथ पेस्ट वितरित किए तथा सभी छात्राओं को दांतों को साफ करने के तरीके समझाए गए। इस मौके पर विद्यालय प्राचार्य विजय कुमार दीक्षित, मेजर आशा माथुर, डॉ. रमेश शर्मा, अध्यक्ष मीना शर्मा, सचिव स्नेहलता मिश्रा, अरूणा गंगाजली वाले, डॉ. नितिन भटनागर आदि उपस्थित रहे।

अजय जिलाध्यक्ष और जगदीश संभागीय अध्यक्ष नियुक्त

ग्वालियर। वैश्य महासम्मेलन द्वारा शनिवार को नियुक्तियां की गई। जिसमें व्यवसायी अजय गोयल को ग्वालियर जिलाध्यक्ष एवं जगदीश मित्तल को संभागीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन की युवा इकाई के जिलाध्यक्ष विवेक गुप्ता एवं प्रभारी कपिल जैन ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी।

विश्व अंतरिक्ष सप्ताह मनाया

ग्वालियर। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 मुरार ग्वालियर में द मिल्की वे एक्सीलेंस एस्टॉनोमर्स क्लब द्वारा विश्व अंतरिक्ष सप्ताह मनाया। जिसमें सेमिनार, पोस्टर प्रदर्शन आदि गतिविधियां हुई। इस मौके पर डॉ. दीप्ति गौड़ ने अंतरिक्ष की जानकारी दी। अध्यक्षता प्राचार्य प्रबुद्ध गर्ग ने की। इस अवसर पर रेखा मुले, पदम सिंह मीणा, पूनम कुमारी आदि उपस्थित रहे।

यूथ हॉस्टल करेगा महाआर्यमन का सम्मान

ग्वालियर। ग्वालियर यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ग्वालियर द्वारा महाआर्यमन सिंधिया के मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन का निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने पर चेम्बर ऑफ कॉमर्स में 13 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे उनका सम्मान किया जाएगा। यह जानकारी सचिव रामनारायण मिश्रा ने दी।

पालतू श्वान ने दो लोगों पर किया हमला, दोनों घायल

भितरवार। भितरवार अनुभाग के अंतर्गत आने वाले ग्राम रायपुरसानी में एक पालतू कुत्ता पागल हो गया, जिसने घर के दो लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें परिजन भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां उनका उपचार किया गया। जानकारी के अनुसार, पंजाब सिंह रावत (50) पुत्र हुकुम सिंह रावत एवं जगराम सिंह रावत (60) पुत्र दौलत सिंह रावत, निवासी रायपुरसानी, शनिवार की सुबह अपने घर पर बैठे हुए थे, तभी उनके ही पालतू श्वान ने अचानक उन पर हमला कर दिया। परिजनों ने बताया कि श्वान कई वर्षों से घर में पाला हुआ था, लेकिन पिछले दो-तीन दिन से उसका व्यवहार असामान्य था। शनिवार को उसने दोनों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। फिलहाल दोनों का उपचार जारी है।

घर से गायब युवक का शव मिला, हत्या की आशंका

बैराड़। जिले के बैराड़ थाना क्षेत्र के ग्राम झलवासा में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में एक बाड़े में पड़ा मिला। मृतक की पहचान जण्डेल सिंह धाकड़ पुत्र महाराज सिंह धाकड़ के रूप में हुई है, जो बीते रोज से लापता था।

स्वच्छता केवल निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य

■ ग्वालियर

शहर का स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है। जब सभी ग्वालियरवासी मिलकर इस पुनीत अभियान में सहभागी बनेंगे, तभी हमारा शहर देश के स्वच्छ शहरों में शामिल होगा।

यह बात निगमायुक्त संघ प्रिय ने शनिवार को बाल भवन स्थित नवीन ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित स्वच्छता जागरूकता बैठक में कही। बैठक में विभिन्न सोसाइटी, कॉलोनी रहवासी संघों और सामाजिक-व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्वच्छता को लेकर अपने सुझाव दिए। निगम आयुक्त ने सभी से स्वच्छता की दीवाली एक रुपए वाली अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। इस विशेष पहल के तहत घरों से निकले अनुपयोगी लेकिन पुनः उपयोग योग्य सामान को निगम एकत्र कर आरआरआर सेंटर पर रिपेयर करेगा और जरूरतमंदों को एक रुपए प्रति आइटम के हिसाब से उपलब्ध कराएगा।

अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने कहा कि गीले-सूखे कचरे का पृथक्करण स्रोत पर ही जरूरी है। उन्होंने बताया कि वे स्वयं अपने घर में होम कंपोस्टिंग यूनिट लगाकर इस दिशा में पहल कर रहे हैं।

चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने सुझाव दिया कि शहर की किसी एक गंदी बस्ती को मॉडल बनाकर वहां सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाया जाए, जिससे शहर में उदाहरण स्थापित हो। सर्वजीत सिंह ज्ञानी ने कहा कि छोटे होम कंपोस्टर यूनिट कम कीमत में उपलब्ध कराकर लोगों को घर पर ही गीला कचरा कंपोस्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। बैठक में मेयर-इन-काउंसिल सदस्य गायत्री मंडेलिया, समाजसेवी सुरेश बंसल, वीरेंद्र सिंह भदौरिया, जुबेर रहमान, सतीश मिश्रा, नरेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री ने सुनीं समस्याएं, विकास कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

■ ग्वालियर

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को आपका सेवक आपके द्वार अभियान के तहत वार्ड-02 में घर-घर जाकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचे।

कार्यक्रम के दौरान श्री तोमर ने वार्ड-02 में लगभग 1 करोड़ 90 लाख रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने झाड़ू वाला मोहल्ला में 25 लाख की लागत से निर्मित संजीवनी क्लीनिक का शुभारंभ किया और कहा कि अब क्षेत्रवासियों को छोटी बीमारियों के इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। क्लिनिक में दवाइयां और जांच सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी।

पदयात्रा के दौरान झाड़ू वाला मोहल्ला और शिवनगर घोसीपुरा में नागरिकों ने सीवर और नाली सफाई की समस्या बताई, जिस पर मंत्री ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए।

आत्मनिर्भर भारत का रास्ता युवाओं की भागीदारी से : कुशवाहा

■ ग्वालियर

आत्मनिर्भर भारत केवल आर्थिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक भागीदारी का अभियान है। जब गांव, गरीब, किसान, महिला और युवा वर्ग सशक्त होंगे, तभी भारत आत्मनिर्भर और सशक्त बनेगा। यह बात शनिवार को सांसद भारत सिंह कुशवाहा ने गोल्डन लोटस गार्डन में आयोजित ग्वालियर पूर्व विधानसभा व्यापारी एवं प्रबुद्ध जन सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में कही। उन्होंने मंच से सभी को स्वदेशी वस्तुएं अपनाने का संकल्प दिलाया।

सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी में कटौती कर यह साबित किया है कि उनकी सरकार जनता और व्यापारियों की चिंता करती है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में महिलाओं की भी बड़ी भूमिका हो सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि विदेशी वस्तुओं की गुलामी से बाहर निकलकर स्वदेशी अपनाना ही सच्ची आजादी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि दीपावली पर चीनी वस्तुओं के बजाय स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए दीपक और झल्लरों से घर सजाएं। इस अवसर पर सांसद भारत सिंह कुशवाह और जयप्रकाश राजौरिया ने व्यापार क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने पर सीमा भदौरिया, विनीत भदौरिया, आभा अग्रवाल, पूनम देवनानी, सुरेंद्र पाल स्वर्णकार, अश्विनी भदौरिया, लेखिता सिंघल, विनोद मिश्रा, सहाब सिंह और समर्थ अग्रवाल का शाल-श्रीफल देकर सम्मान किया।

डॉ. ऋतु को विजयाराजे एक्सीलेंस अवार्ड

■ ग्वालियर

एएमआई शिशु मन्दिर की स्थापना के 80 वर्ष पूर्ण होने पर शनिवार को रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर होने वाले सांस्कृतिक समारोह की थीम 'चलचित्र ए जर्नी ऑफ 80 ईयर्स' रही। कार्यकम की मुख्य अतिथि एएमआई शिशु मंदिर की पूर्व छात्रा एवं दिल्ली विश्वविद्यालय की डॉ.ऋतु सप्रा रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में एएमआई बोर्ड ऑफ गवर्नर की अध्यक्ष प्रियदर्शिनी राजे सिंधिया और महान आर्यमन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सबसे पहले हेड गर्ल मैत्री वर्मा ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने स्कूल में बिताए गए समय की कुछ यादें सबके साथ साझा की। शिशु मंदिर की डायरेक्टर वीणा सिंह ने स्कूल रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस मौके पर विजयाराजे एक्सीलेंस अवार्ड डॉ. ऋतु सप्रा को दिया गया। इसके बाद पुरस्कार वितरण हुआ जिसमें बारहवीं एवं दसवी बोर्ड कक्षाओं में प्रथम व द्वितीय आने वाले एवं विभिन्न विषयों में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को गोल्ड एवं सिल्वर मेडल्स प्रदान किए गए। कार्यक्रम में शिशु मंदिर के 80 वर्ष पूरे करने पर छात्र-छात्राओं द्वारा नाटक की प्रस्तुति दी जिसमें स्कूल की स्थापना से लेकर आज तक की कहानी शामिल रही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे।

एमआईटीएस के विद्यार्थियों ने निकाली रैली

■ ग्वालियर

इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड डे के अवसर पर माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एमआईटीएस) की गर्ल्स ग्रीवेंस सेल द्वारा पंख-स्वच्छता और सम्मान की उड़ान शीर्षक से थाठीपुर कन्या विद्यालय में जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एमआईटीएस के छात्रों द्वारा थाठीपुर क्षेत्र में रैली निकालकर की गई, जिसमें हाथों में तख्तियां लेकर मासिक धर्म कोई वर्जना नहीं जैसे संदेशों से लोगों को जागरूक किया गया। विद्यालय पहुंचने पर छात्राओं से संवाद करते हुए सेल की सदस्याओं ने मासिक धर्म स्वच्छता, सही उत्पादों के चयन और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान पासिंग द पार्सल जैसी मनोरंजक गतिविधि भी रखी गई, जिसके माध्यम से छात्राओं ने सहज माहौल में अपने विचार साझा किए। सेल की टीम ने छात्राओं और अध्यापिकाओं के साक्षात्कार लेकर उनके अनुभव भी जाने। कार्यक्रम के समापन पर सभी छात्राओं को सेनेटरी पैड्स और हाइजीन किट्स वितरित की गईं। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य राजीव कुमार मंथरिया, उप प्राचार्या मयूरी चतुर्वेदी, डॉ. अंशु चतुर्वेदी सहित अन्य मौजूद रहे।

भोपाल संभाग बना ओवरऑल चैंपियन

69वीं राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता

■ ग्वालियर

शालेय शिक्षा विभाग की मेजबानी में आईटीएम ग्लोबल स्कूल में आयोजित 69वीं राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में भोपाल संभाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 211 अंक हासिल कर ओवरऑल विजेता ट्रॉफी पर कब्जा किया। वहीं इंदौर संभाग ने 67 अंक प्राप्त कर उपविजेता ट्रॉफी अपने नाम की। इनके अलावा 57 अंकों के साथ जबलपुर तीसरे, 56 अंकों के साथ रीवा चौथे, 46 अंक के साथ उज्जैन संभाग पांचवे, 44 अंक प्राप्त कर मेजबान ग्वालियर संभाग छठवें तथा 23 अंकों के साथ नर्मदापुरम संभाग सातवे स्थान पर रहा।

प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रियंका सत्येन्द्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया। अध्यक्षता अरविंद सिंह संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग ने की। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में गौरी तिवारी योजना अधिकारी लोक शिक्षण ग्वालियर संभाग, देवेन्द्र पटसारिया प्रतिनिधि डीपीआई भोपाल मौजूद रहे।

शालेय क्रीड़ा अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता प्रदेश के 10 संभागों के खिलाड़ियों और ऑफिशियल्स ने शिरकत की। शनिवार को ग्वालियर व्यापार मेला मैदान में विभिन्न आयु वर्ग में रोड इनलाइन और रोड क्वॉड इवेंट का आयोजन किया गया।

रोड इनलाइन 3000 मीटर अंडर-19 बालक वर्ग में श्रेयांश तिवारी भोपाल प्रथम, आदित्य धाकड़ भोपाल द्वितीय तथा अरुणेन्द्र तिवारी रीवा तृतीय स्थान पर रहे। जबकि बालिका वर्ग में अवनी अग्रवाल भोपाल प्रथम, साक्षी सिंह रीवा द्वितीय व उत्सवी सिंह रीवा तृतीय स्थान पर रहीं।

रोड इनलाइन 3000 मीटर अंडर-17 बालक वर्ग में निरेक टंडल जबलपुर प्रथम, पार्थ जोशी भोपाल द्वितीय व दक्ष उज्जैन तृतीय स्थान पर रहे। जबकि बालिका वर्ग में उद्रेका सिंह रीवा प्रथम, वेदा माहेश्वरी इंदौर द्वितीय तथा दीया मोदी इंदौर तृतीय स्थान पर रहीं।

रोड इनलाइन 2000 मीटर अंडर-14 बालक वर्ग रिषन उज्जैन प्रथम, चिराग वाधवानी इंदौर द्वितीय तथा शिवांश कन्नौजी भोपाल तृतीय स्थान पर रहे। जबकि बालिका वर्ग में रिशिका शिंदे भोपाल प्रथम, आरुषि जबलपुर द्वितीय तथा हिरांगी सोराठिया भोपाल संभाग तृतीय स्थान पर रही।

रोड इनलाइन 1500 मीटर अंडर-11 बालक वर्ग में समरवीर ओला जबलपुर प्रथम, विहान वाधवानी रीवा द्वितीय तथा कुशल इसरानी भोपाल तृतीय स्थान पर रहे। जबकि बालिका वर्ग में काश्वी शर्मा भोपाल प्रथम, अंजिल सिंह भोपाल द्वितीय तथा अयालिश उज्जैन तृतीय स्थान पर रहीं।

फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन प्रक्रिया आज

ग्वालियर। ग्वालियर में 23 अक्टूबर से स्वर्गीय देवेंद्र सिंह तोमर स्मृति नार्थ जोन अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। इसमें ग्वालियर,भोपाल, सीहोर, नर्मदा पुरम, विदिशा, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना शाहजहांपुर सहित अन्य टीम में भाग लेंगी। जिला फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव शिववीर सिंह भदौरिया ने बताया कि ग्वालियर टीम के गठन के लिए रविवार को शाम 4 बजे एमएलबी कॉलेज मैदान में चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता के माध्यम से संतोष ट्रॉफी कैंप के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा।आवश्यकता दस्तावेजों के साथ विनय कदम, राजवर्धन भौसले, प्रदीप सिंह, श्याम यादव, प्रियांशु चौहान से संपर्क कर सकते हैं।

प्रदर्शन मैच खेलकर मनाया अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस

करिश्मा यादव एकादश ने 2-1 से दर्ज की जीत

■ ग्वालियर

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के दर्पण मिनी स्टेडियम हॉकी फीडर सेंटर पर शनिवार को खिलाड़ियों ने प्रदर्शन मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया।

हॉकी कोच अविनाश भटनागर ने बताया कि बालिकाओं को प्रोत्साहित करने उद्देश्य से करिश्या यादव एकादश और इशिका चौधरी एकादश के बीच प्रदर्शन मैच खेला गया। जिसमें करिश्मा यादव ने 2-1 से शानदार जीत दर्ज की। खेले गए मैच के मिनट में करिश्मा यादव टीम की गरिमा शर्मा ने मैदानी गोलकर टीम को 1-0 से बढ़त दिलाई, लेकिन 19 मिनट में इशिका चौधरी टीम की पूर्वी त्रिपाठी ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। बराबरी पर खेल रही दोनों टीमों ने बढ़त के लिए एक दूसरे पर लगातार आक्रमण किए और 38 मिनट में करिश्मा यादव टीम की खुशी कुशवाहा ने शानदार मैदानी गोलकर अपनी टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी और यह मैच 2-1 के स्कोर से जीत लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद सेंटर की पूर्व हॉकी खिलाड़ी दीपा शर्मा ने खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता ग्वालियर का दल सागर रवाना

■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश ताइक्वांडो संघ भोपाल एवं जिला ताइक्वांडो संघ सागर की मेजबानी में 12 से 13 अक्टूबर तकसागर सरोज गार्डन में खेली जाने वाली 37वीं जूनियर राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में अपनी दावेदारी पेश करने के लिए ग्वालियर का दल शनिवार रात को सागर के लिए रवाना हुआ। जिला ताइक्वांडो संघ ग्वालियर के सचिव अजय गुप्ता ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में ग्वालियर की ओर से आर्यन मुदगल, शुभांस शर्मा, माधव निभास्कर, सत्येन्द्र रावत, तृषय सिंह राठौर और आर्यन भदौरिया अपने-अपने वजन वर्ग में चुनौती पेश करेंगे। ग्वालियर टीम में कोच की भूमिका कृष सोनी निभाएंगे, जबकि निर्णायक की भूमिका में राष्ट्रीय रेफरी दीपक कुशवाह एवं रघु सिंह उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि उक्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक बेंग्लुरू में आयोजित होने वाली 42वीं राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की टीम की ओर से प्रतिनिधित्व करेंगे।

छत्तीसगढ़ ने उड़ीसा को 47 रन से हराया

■ ग्वालियर

ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन की मेजबानी में कैप्टन रूपसिंह स्टेडियम में खेली जा रही बीसीसीआई सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी एलीट क्रिकेट प्रतियोगिता में शनिवार को खेले गए पहले मैच में छत्तीसगढ़ ने उड़ीसा को 47 रन से रौंदा। वहीं दूसरे मैच में कर्नाटक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए त्रिपुरा को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी।

छत्तीसगढ़ और उड़ीसा के बीच खेले गए मैच में उड़ीसा ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया उजो उनके लिए नुकसानदायक रहा। छत्तीसगढ़ की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 10 विकेट गंवाकर 114 रन का स्कोर खड़ा किया। छत्तीसगढ़ की ओर से खेलते हुए कृति गुप्ता ने 25 रन, नेहा ने 23 रन एश्वर्या सिंह ने 19 रन तथा शिवानी कृष्णा ने 16 रन की पारी खेली। उड़ीसा की ओर से गेंदबाजी करते हुए सुश्री डी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट चटकाए। इनके अलावा संगीता, शुभ्रा, ज्योति तथा विजयलक्ष्मी ने 1-1 विकेट प्राप्त किया। जबावी पारी खेलने उतरी उड़ीसा की टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 67 रन ही बना सकी और टीम को 47 रन से हार का सामना करना पड़ा।

दूसरा मैच कर्नाटक और त्रिपुरा के बीच खेला गया। जिसमें त्रिपुरा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 97 रन बनाए। टीम की शुरूआत ठीक नहीं रही। शुरूआती तीन बल्लेबाज बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। टीम की ओर से मौसंथी देवनाथ ने 30 रन रिजु शाहा ने 32 तथा रेशमा नायक ने 19 रन का योगदान दिया। कर्नाटक की ओर से गेंदबाजी करते हुए राजेश्वरी जी ने 4 तथा श्रेयांका पाटिल ने 2 विकेट प्राप्त किए।

जबावी पारी खेलने उतरी कर्नाटक ने ताबड़तोड़ प्रदर्शन करते हुए 12.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। कर्नाटक की ओर से शिशिरा ए गोवड़ा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नाबाद 50 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इनके अलावा विरिंदा दिनेश ने 36 तथा मिथिला विनोद ने नाबाद 13 रन बनाए।

गुढ़ा चंबल गांव में मिलावटी मावा बनाने की फैक्ट्री

■ **रिफाइंड, एसिड, हाइड्रोजन, मिल्क पाउडर सहित अन्य सामग्री जब्त**

■ जौरा

दीपावली त्योहार पर नकली एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए प्रशासन ने मिठाई की दुकानों एवं दूध डेयरियों सहित अन्य प्रतिष्ठानों की जांच प्रारंभ कर दी है। इसी क्रम में एसडीएम शुभम शर्मा ने मुखबिर की सूचना पर गुढ़ा चंबल गांव में मिलावटी मावा बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है।

शनिवार को दोपहर में एसडीएम शुभम शर्मा, एसडीओपी नितिन बघेल, थाना प्रभारी देवगढ़ जयपाल सिंह गुर्जर, नायब तहसीलदार श्याम सुंदर सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारियों की टीम गुढ़ा चंबल गांव में पहुंची। जहां पर अभिलाष सिंह सिकरवार नामक व्यक्ति द्वारा मिलावटी मावा बनाया जा रहा था।

अधिकारियों की टीम के पहुंचते ही मिलावटी मावा की फैक्ट्री पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। मौके पर मिलावटी मावा बनाने का सामान रिफाइंड, एसिड, हाइड्रोजन, मिल्क पाउडर सहित अन्य सामग्री रखी थी। एसडीएम ने तत्काल खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को मौके पर बुलाया। दोनों अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मिलावटी मावा बनाने की फैक्ट्री को सील करने की कार्रवाई की तथा मिलावटी मावा के नमूने भी लिए।

प्रसूता की कुएं में गिरने से मौत

पानी भरते समय हुआ हादसा तीन साल पहले हुई थी शादी

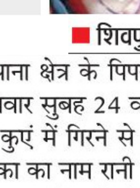

■ शिवपुरी

पोहरी थाना क्षेत्र के पिपरघार गांव में शनिवार सुबह 24 वर्षीय महिला की कुएं में गिरने से मौत हो गई। मृतका का नाम रानी पाल है, जो छह माह की गर्भवती थी। खेत में स्थित कुएं पर पानी भरते समय उसका पैर फिसल गया, जिससे वह कुएं में गिर गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

रानी की शादी तीन साल पहले देवेंद्र पाल से हुई थी। पति ने बताया कि उनके घर से कुछ ही दूरी पर कुआं है, जहां रानी रोज नहाने और पानी भरने जाती थी। शनिवार सुबह भी वह पानी भरने गई थी। हादसे के समय देवेंद्र दूध देने पोहरी कस्बे गए हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने रानी को कुएं से बाहर निकाला और पोहरी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोहरी पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमॉर्टम करवा परिजनों को सौंप दिया है। मृतका की दो वर्ष की एक छोटी बेटी है।

आवारा बैल ने बालिका सहित चार महिलाओं को किया घायल

■ विजयपुर

विजयपुर नगर में आवारा मवेशी लोगों के लिए बड़ी बनते जा रहे हैं। शनिवार को नगर में एक आवारा बैल ने आठ वर्षीय बालिका एवं तीन महिलाओं पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

जानकारी के अनुसार मोहनपुरा मंडी निवासी वैष्णवी पुत्री प्रदीप कुशवाह उम्र आठ साल, प्रेम पत्नी हरिचरण कुशवाह उम्र 40 वर्ष, राधा पत्नी रामप्रसाद कुशवाह उम्र 30 साल एवं विमला पत्नी जगन्नाथ कुशवाह उम्र 55 वर्ष रास्ते से गुजर रही थीं तभी एक आवारा बैल ने चारों पर हमला बोल दिया। इस हमले से बालिका सहित तीनों महिलाएं घायल हो गईं। हमले में बालिका वैष्णवी और प्रेमबाई को अधिक चोटें आई हैं। जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है। पीड़ितों के परिजनों का कहना है कि यह हादसा नगर पालिका की उदासीनता और लापरवाही के कारण हुआ है। नगर परिषद आवरा मवेशियों को कांजी हाउस या गौशालाओं में भेजने की कार्रवाई नहीं कर रही है।

सम्पादकीय

बिहार में चुनाव दिल्ली में खलबली

बिहार चुनाव को लेकर पूरे देश में हलचल है। जिस तरह टिकट बटवारे को लेकर घमासान मचा है उसके कारण दिल्ली तक खलबली मची हुई है। चुनाव की दस्तक के साथ ही देश की राजनीति के साथ ही बिहार की राजनीति फिर से उबाल पर है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में टिकट बंटवारे को लेकर जबरदस्त खींचतान और बीच में सुराजपार्टी की दस्तक ने बिहार चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। सत्ता की इस जंग में विचारधारा, गठबंधन धर्म और सीटों का गणित सब एक बार फिर से परखे जा रहे हैं। एनडीए में भाजपॉ जदयू और एलजेपी (रामविलास) के बीच तालमेल बनाने के लिए हर आसन लगाए जा रहे है। मुख्यमंत्री नीतीश और भाजपा केंद्रीय नेतृत्व सीटों के वितरण अभी भी असंमजस बना हुआ है। चिराग पासवान की पार्टी भी बहुत ही खास सीटों पर दावा ठोंक रही है। ऐसे में गठबंधन के भीतर सामंजस्य बनाए रखना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है। जदयू की अपनी चिंता यह है कि एनडीए में उसका प्रभाव कम हो रहा है। इंडिया गठबंधन में भी सब कुछ ठीक नहीं है। राजद कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीटों को लेकर विवाद दिख रहा है। राजद अपने वोट बैंक और बड़े जनाधार के बल पर अधिक सीटें चाहती है। जबकि कांग्रेस और वाम दल अपने कद के अनुरूप सीटें मांग रहे है। गठबंधन की एकता का दावे में सीटों को लेकर अंदरूनी असहमति साफ झलक रही है। यही वजह है कि कई पत्राने नेता अब पाला बदलने की तैयारी में हैं। राजनीतिक अवसरवाद से मतदाताओं निराशा भी पैदा कर रहा है। मतदाता अब मुद्दो से ज्यादा नेताओं की आपसी खींचतान देखने को मजबूर हैं। बिहार की जनता जातिपाति, क्षेत्र और परिवार वाद से उठकर अब विकास रोजगार और शिक्षा जैसे मुद्दो पर जवाब चाहती है। ऐसे में बिहार चुनाव में इस बार प्रशांत किशोर की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। 2025 के 18 वीं बिहार विधानसभा चत्नाव के लिए बिहार में राजनीतिक दलों के बीच सरगर्मी तेज हो चुकी है। बिहार में विधानसभा की कत्त्ल 243 सीटे हैं। इनमें 38 सीटें अनुसूचित जाति और 2 अनूसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। बिहार में चुनाव का जिक्र हो और जाति की चर्चा ना हो ऐसा हो नहीं सकता। यही कारण है कि चुनाव में सभी राजनीतिक दल व्यक्ति से ज्यादा जाति को महत्व देकर टिकट बांटते हैं। टिकट वितरण के पैमाने में जाति निर्णायक भूमिका अदा करती है। ब्रह्मण, राजपूत, भूमिहार, कायस्थ, यादव, कोयरी, कुर्मी, पासी, धानुकॉर, पासवान, डोम व मल्लाह आदि जातियों से राजनीतिक दल चुनाव में उम्मीदवार खड़े करते हैं। राजद का वोट बैंक मुस्लिम और यादव समीकरण से मजबूत हैं लेकिन पिछले चुनाव में ओवैसी की एआईएमआईएम से पांच विधायक जीत कर आये तो यह चर्चा होने लगी की राजद का मुस्लिम वोट बैंक अब राजद से दूर जा रहा है, लेकिन राजद ने ओवैसी के चार मुस्लिम विधायकों को अपने पाले में कर लिया। दूसरी तरफ एनडीए में भाजपा का सवर्ण, जदयू का पिछड़ा वर्ग, चिराग पासवान का दलित, जीतनराम मांझी का महादलित वोट मिलकर गठबंधन को मजबूत करता है। चरम की स्थिति में बढ़ते बिहार में तेजस्वी यादव जहां एंटी इनकंबेसी फैक्टर को भुनाने की कोशिश कर रहे हैं और राहुल गांधी के साथ वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं। नीतिश कुमार ने वोटरों को साधने की कोशिश में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत बिहार की एक करोड़ 21 लाख महिलाओं के खाते में दस हजार रुपए दिये। बिहार सरकार की ओर से पहले ही चरणबद्ध तरीके से पैसों का वितरण करने के लिए तारीखों किया गया। विपक्षी दलों का आरोप है कि चुनाव के तुरंत पहले ये एक तरह से वोट खरीदने की चाल है। प्रशांत किशोर द्वारा बिहार भाजपा के नेताओं के भ्रष्टाचार पर खुलासे के साथ ही उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की शैक्षणिक योग्यता पर भी सवाल उठाए। कुल मिलाकर चुनाव भले ही बिहार में चल रहे हो खलबली पूरे देश मे है। बहरहाल इस बार के विधानसभा चुनाव केवल नेताओं की परीक्षा नहीं होंगी, बल्कि यह भी तय करेंगे कि बिहार की जनता अब भी पुराने समीकरणों पर भरोसा करती है या वह बदलाव की ओर बढ़ना चाहती है। टिकटों की इस जंग में जो दल जनहित को प्राथमिकता देगा वही जनता के दिल तक पहुंचेगा। बिहार की राजनीति का भविष्य आखिरकार जनता के हाथ में है और यही इस लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। पिछले चुनावों की अपेक्षा इस चुनाव में बिहार का मतदाता पूरे देश को अलग संकेत देगा।

महामारी का सबब बन सकते हैं बर्फ से निकलते दैत्य

ग्लेशियरों में मौजूद बैक्टीरिया या वायरस जीवन के चिन्ह माने जाते हैं लेकिन इनसे बीमारियां-महामारियां पैदा करने का जोखिम भी जुड़ा है। जलवायु परिवर्तन या मानवीय हस्तक्षेप से यदि बर्फ पिघले तो अनुकूल वातावरण पाकर ये सूक्ष्मजीव पुनरू सक्रिय या जीवित हो सकते हैं। वैज्ञानिक चेतावनी दे चुके हैं कि वे मनुष्यों को संक्रमित कर सकते हैं। एक शोध के दौरान अलास्का की हजारों साल पुरानी बर्फ पिघलाने के बाद वायरस जीवित हुए भी। तेजी से ध्रुवों पर बर्फ पिघल रही है जिसमें पड़े संक्रामक सूक्ष्मजीवों का सक्रिय होना संकटकारी है। इस दिशा में अनदेखी से हजारों साल पुरानी महामारियों के वापस आने की आशंका है जो इंसानी जीवन के लिए तबाही का सबब बन सकती है। अभी हमें नहीं मालूम कि हमारी पृथ्वी से परे इस ब्रह्मांड में कहीं और जीवन है या नहीं। लेकिन तमाम उपग्रहों, अंतरिक्ष वेधशालाओं और रेडियो संकेतों की छानबीन के बाद विज्ञानियों का मत है कि मंगल ग्रह या कहीं और धरती से परे जीवन की कोई संभावना सूक्ष्मजीवों (बैक्टीरिया या वायरस) आदि के रूप में हो सकती है। मुमकिन है कि जिन ग्रहों-उपग्रहों पर बर्फ और पानी का तनिक भी अस्तित्व हो, वहां ऐसे सूक्ष्मजीव मिल सकते हैं जो जीवन पनपा सकें। नमी, गर्म मौसम और वायुमंडल में ऑक्सीजन सरीखी गैसें- जिंदगी पैदा करने के लिए यही सब कुछ तो चाहिए। जरूरत इतनी सी है कि इन सूक्ष्मजीवों को (अगर वे पृथ्वी से बाहर कहीं हैं, तो) किसी तरह सक्रिय यानी जीवित किया जा सके। पर हमारी पृथ्वी को जीवन के स्पंदन से भरने वाले बैक्टीरिया या वायरस की शक्ल वाले इन सूक्ष्मजीवों (माइक्रोऑर्गेनिज्म) की एक भूमिका और भी है। इनका दूसरा पहलू असंख्य बीमारियों और महामारियों को पैदा करने से जुड़ा है। पानी, हवा और जमीन के दृश्यमान माहौल से अलग पृथ्वी की अतल गहराइयों, बर्फ की कंदराओं और चट्टानी दरारों तक में मौजूद सूक्ष्मजीवों को अगर मौका मिले तो शायद वे पूरी कायनात को ही पलट कर रख दें। कोविड महामारी के दौर से ही ऐसी आशंकाएं सिर उठा रही हैं। इधर अमेरिका के कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय के शोधकताओं ने अलास्का (आर्कटिक) की 40 हजार साल पुरानी बर्फ (पर्माफ्रॉस्ट-मिट्टी, बर्फ और चट्टानों का मिश्रण) के कुछ नमूनों को क्या पिघलाया, वे यह देखकर हैरान रह गए कि हजारों साल तक बर्फ में फंसे और जमे रहे सूक्ष्मजीव धीरे-धीरे जीवित हो गए। हालांकि सूक्ष्मजीवों का यह पुनर्जीवन कोई अच्छी खबर लेकर नहीं आया है। माना जा रहा है कि किसी साइंस-फिक्शन हॉरर फिल्म की तरह, ये प्राचीन संक्रामक सूक्ष्मजीव किसी जानवर पर आश्रित होकर अगली मानव महामारी का कारण बन सकते हैं। यह नई सूचना दशकों से प्रचलित उस मान्यता को स्थापित करते हुए प्रतीत हो रही है, जिसमें यह चेतावनी दी जाती रही है कि धरती की गहरी परतों में कैद प्राचीन बर्फ को छेड़ा न जाए क्योंकि इसके अंजाम बहुत बुरे हो सकते हैं। न तो उसकी खुदाई की जाए और न ही ऐसे हालात पैदा किए जाएं, जिससे यह खुद-ब-खुद पिघलने लगे। अलास्का में पृथ्वी की सतह से 350 फुट नीचे जिस इलाके से कोलोराडो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों

ने नए नमूने जमा किए हैं, वहां 1960 के दशक में भी खुदाई की गई थी। पर्माफ्रॉस्ट सुरंग के रूप में विख्यात इस जगह पर अति प्राचीन समय के विशालकाय जानवरों की हड्डियां जस की तस मौजूद हैं। यहां से लिए गए सूक्ष्मजीवों (बैक्टीरिया से समूह) के नमूनों को पानी के बीच 39 से 54 फॉरेनहाइट तापमान रखकर जगाने की कोशिश की गई। छह महीने तक चले प्रयोगों के बीच पाया गया कि शुरूआत में इन बैक्टीरिया समूहों की बढ़वार बेहद धीमी थी, लेकिन इन्हीं में से कुछ ने अपने इर्दगिर्द एक पतला, चिपचिपा पदार्थ बनाना शुरू कर दिया। इस पदार्थ को बायोफिल्म के रूप में जाना जाता है, जो वायरस और बैक्टीरिया की रक्षा करता है और उन्हें फैलने में मदद कर सकता है। विज्ञानियों ने इसका नतीजा यह निकाला कि गर्म और नम माहौल देने पर बर्फ में सदियों तक जमे रहे सूक्ष्मजीव कुछ ही महीनों में जीवित और सक्रिय हो सकते हैं। यही असली खतरा है। पर्यावरणविद् और मौसम विज्ञानी जलवायु परिवर्तन के नतीजे में पृथ्वी के ध्रुवों पर जमी बर्फ को तेजी से पिघलते हुए देख रहे हैं। ऐसे में बैक्टीरिया और वायरस के रूप में जो असंख्य सूक्ष्मजीव सदियों से बर्फ की कैद में सोते रहे हैं, वे अचानक बर्फ पिघलने पर वहां से छिटककर धरती पर फैल सकते हैं और एक नई तबाही मचा सकते हैं। खतरा अवास्तविक नहीं है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के शोधकताओं का मत है कि बर्फ में दबे और सोते हुए बैक्टीरिया सदियों तक पोषक तत्वों, गर्मी या प्रकाश के बिना जीवित रह सकते हैं। ऐसे सूक्ष्मजीवों को मृत मानना एक गलती हो सकती है। बल्कि सदियों के अंतराल के बाद भी ये अभी भी ऐसे मजबूत जीवन को आश्रय देने में सक्षम हैं जो कार्बनिक पदार्थों को तोड़कर नए सिरे से पैदा हो सकता है। संकट यह है कि करीब 55 लाख वर्ग मील में फैला अलास्का (आर्कटिक) का यह बर्फीला इलाका वर्ष 1979 के बाद से पृथ्वी के किसी और इलाके के मुकाबले तीन से चार गुना ज्यादा तेजी से गर्म हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण अभूतपूर्व तरीके से पिघल रही आर्कटिक की बर्फ के बारे में एक अनुमान यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का भी है। इस एजेंसी के मुताबिक पृथ्वी की सतह पर मौजूद इस इलाके के पर्माफ्रॉस्ट का दो-तिहाई हिस्सा वर्ष 2100 तक पिघलकर गायब हो सकता है। पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने से हमारे ग्रह को गर्म करने वाली ग्रीनहाउस गैसें कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन निकलती हैं, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। अमेरिका के एक अन्य विश्वविद्यालय- एमआईटी के शोधकताओं का आकलन बताता है कि दुनिया के पर्माफ्रॉस्ट में 1,500 अरब टन कार्बन है - जो वर्तमान में वायुमंडल में मौजूद कार्बन की मात्रा से लगभग दोगुना है। यह भी बर्फ के पिघलते ही मानव सभ्यता की मुसीबतों में कई गुना बढ़ोतरी कर सकता है। पर्माफ्रॉस्ट से फूट पड़ने वाले वायरसों की आशंकाओं को लेकर कुछ ही समय पहले संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की मुख्य वैज्ञानिक एंड्रिया हिनवुड ने एक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि अभी यह कहना मुश्किल है कि इन घटनाओं से हमें कितना चिंतित होना चाहिए। इसकी एक अहम वजह यह है कि अभी तक किसी प्राचीन वायरस से किसी महामारी के व्यापक प्रसार का जोखिम कम माना जाता है। लेकिन रोगाणुओं का फिर से उभरना केवल एक सैद्धांतिक खतरा नहीं है। इस बारे में मेडिकल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ कैरोलिना के शोधकर्ता डगलस जॉनसन का मत है कि एक प्राचीन वायरस पुनः सक्रिय होकर मनुष्यों को संक्रमित कर सकता है। वैज्ञानिकों ने कुछ वर्ष पहले तथाकथित जॉम्बी वायरस के एक पुराने प्रकार को पुनर्जीवित किया था। हालांकि अभी तक एकाध मामलों को छोड़कर ज्यादातर पुनर्जीवित हुए वायरस केवल अमीबा को ही संक्रमित कर पाए हैं। इसकी वजह यह है कि ऐसे पुनर्जीवित वायरस नई परिस्थितियों में जीवित रहने के हिसाब से बहुत नाजुक होते हैं। लेकिन कुछ उदाहरण हैं, जो इसके संकट को जाहिर करते हैं। जैसे वर्ष 2016 में भीषण गर्मी के कारण साइबेरियाई इलाके में पर्माफ्रॉस्ट पिघला, तो वहां सदियों से बर्फ में जमे एक बारहसिंगा का शव बाहर आ गया। इस बारहसिंगा की मौत एंथ्रेक्स जीवाणु के प्रकोप से हुई थी। बाहर आए बारहसिंगा के शव में मौजूद एंथ्रेक्स के जीवाणुओं ने 2016 में इलाके में मौजूद बारहसिंगाओं और कई मनुष्यों को संक्रमित कर बीमार कर दिया था। इसी तरह 2019 ने आर्कटिक समुद्री बर्फ में पिघलन की घटना से उत्तरी प्रशांत महासागर में मौजूद ऊदबिलावों ने फोसीन डिस्टेंपर वायरस के उभार का खतरा पैदा कर दिया। माना गया कि प्राकृतिक बर्फ अवरोध के नष्ट होने से इस वायरस की संवाहक सील मछली अन्य समुद्री स्तनधारियों के साथ संपर्क में आ गई। वर्ष 2022 में, फ्रांसीसी शोधकताओं ने साइबेरियाई पर्माफ्रॉस्ट से एक अज्ञात वायरस को पुनर्जीवित किया। इनमें सबसे पुराना वायरस 48,500 साल पहले का था और अमीबा को संक्रमित करने में सक्षम था। प्राचीन वायरसों का सामने आकर हम इंसानों के लिए इस तरह खतरा बन जाने की एक मुख्य वजह है। कारण यह है कि हजारों साल तक निष्क्रिय पड़े रहे इन सूक्ष्मजीवों (वायरस) से मानव प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) का कोई संपर्क नहीं रहा। इससे इंसानों में इनके खिलाफ इम्युनिटी पैदा नहीं हो पाई या फिर इनसे बचाव के लिए कोई उपाय नहीं बन पाया। हालांकि प्राचीन वायरसों की वापसी के लिए बर्फ का जलवायु परिवर्तन के कारण पिघलना ही अकेली वजह नहीं है। आर्कटिक में शिपिंग और खनन आदि बढ़ती औद्योगिक गतिविधियां भी लोगों को पर्माफ्रॉस्ट से फूट निकलने वाले सूक्ष्मजीवों के संपर्क में लाती हैं। जैविक कारकों के अलावा पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने से कई और दिक्कतें पैदा होती हैं। जैसे ऐतिहासिक शीत युद्ध युग के दौरान शीत भंडारण गृहों में रखे गए रसायनों की लीकेज, भारी धातुओं और रेडियोधर्मी कचरे के विकिरण से भी पर्यावरणीय समस्याएं पैदा हो सकती हैं। साथ ही, जलवायु परिवर्तन समूचे पारिस्थितिकी तंत्र में वे बदलाव ला सकता है, जिनसे विभिन्न पशु-प्रजातियों के बीच नए किस्म की अंतःक्रियाओं के चलते जूनोसिस यानी जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाली बीमारियों के फैलने की रफ्तार बढ़ सकती है।

वेद,उपनिषद पुराणों दिव्य आलोक से प्रदीप्त होता वैश्विक क्षितिज

संजीव ठाकुर

भारतीय ऋग्वेद अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति ऊर्जा और अर्थ छुपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के कारण यूक्रेन में युद्ध की स्थिति बन कर पूरे विश्व में वैश्विक युद्ध की संभावनाएं बन गई हैं। इसका हल मी भारतीय संस्कृति संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी। गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब, टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण हैस व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति,बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन हैस हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता हैस पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो। जससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत होस इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान,दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था। यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता है और शांत हो जाता,तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन,मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है। पर इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करती रहे है। पर दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि जीवन में सार्थकता की खोज सफलता के अभाव में संभव नहीं है। क्योंकि श्रम और सार्थकता का महत्व तभी तक है जब तक वह सफल ना हो,परंतु सफलता ही मनुष्य की अंतिम परिणति नहीं होनी चाहिए। अन्यथा जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व नगण्य में होने की संभावना बनी रहती है। अतः श्रम मेहनत और सार्थकता समेकित रूप से मिलकर एक बड़ी सफलता को जन्म देते हैं। श्रम तथा सार्थकता तभी प्राप्त होती है, जब सफलता का आधार प्राप्त हो जाए। पर मूलत सफल होना ही पर्याप्त नहीं है। और जीवन की असली खोज निरंतर श्रम तथा सार्थकता है। केवल सफलता आपको अस्थाई तथा तत्कालिक मानसिक शारीरिक सुख प्रदान कर सकती है। पर चिरस्थाई तथा आत्मिक संतोष के लिए उसमें श्रम तथा सार्थकता का समावेश होना अत्यंत आवश्यक होता है। अगर वह समाज के लिए एक आदर्श तथा उपयोगी मार्गदर्शक बन सकता है। इसलिए जीवन में केवल सफलता के पीछे ना जाकर श्रम, मेहनत और सार्थकता अत्यंत आवश्यक पहलू हैं।

आजादी के 78 वर्षों में कितने बदले लोकतंत्र के हालात?

देश-दुनिया की निगाहे माइनिंग सेक्टर तो एग्रेसिव मोड पर राजस्थान

अमेरिका कभी कनाडा को अमेरिका का राज्य ही बनाने में जुटा है तो यूक्रेन की खनिज संपदा अपने नाम करवाने या रुस पर दबाव बनाने के पीछे धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा ही है। खनिज संपदा पर आज दुनिया के देशों की नजर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट से एक बात साफ हो जानी चाहिए कि आज अमेरिका ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के लिए भी धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा महत्वपूर्ण हो गई है। अमेरिका चाहे यूक्रेन पर दबाव बना रहा हो या कनाड़ा को राज्य के रुप में घोषित कर अमेरिका में मिलाने की छटपटाहट हो या अन्य देशों की और भ्रकुटी तानने या मेल मिलाप के प्रयास हो सब कुछ इस खनिज संपदा को लेकर ही है। आज चाइना की मोनोपोली देखने को मिल रही है उसका बड़ा कारण भी उसके पास रेयर अर्थ एलिमेंट सहित आज के बदलते युग की मांग को पूरी करने वाली पुरासंपदा के अथाह भण्डार के कारण ही है। ऐसे में वैसे तो दुनिया के देश खनि संपदा को लेकर गंभीर है वहीं हमारे देश में भी केन्द्र और राज्य सरकारें खनिज खोज, खनन और खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की कमर कस ली है। ऐसे में राजस्थान सरकार भी माइनिंग सेक्टर प्रोएक्टिव भूमिका निभाते हुए आगे आया है। वर्तमान सरकार खासतौर से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को खनन क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। राजस्थान की सरकार द्वारा योजनाबद्ध प्रयासों के तहत प्रदेश में खनिज से जुड़े सभी पहलूओं के योजनावद्ध क्रियान्वयन, समन्वय, प्रबंधन, प्रभावी मोनेटरिंग, एक्सप्लोरेशन, राजस्व, निवेश एवं रोजगार बढ़ोतरी, सस्टेनेबल माइनिंग, माइनिंग सेक्टर में देश दुनिया में हो रहे नवाचार और नवीनतम तकनीक और उसके प्रदेश में उपयोग सहित विभिन्न बिन्दुओं को लेकर विभाग द्वारा उच्चस्तरीय परियोजना मोनेटरिंग इकाई (पीएमयू) का गठन किया है। माना जा रहा है कि प्रदेश में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिजों के साथ ही प्रधान व अप्रधान खनिजों के विपुल भण्डारों को देखते हुए पीएमयू के गठन से खनिज क्षेत्र को और अधिक गतिशील बनाया जाएगा। इससे खानें जल्दी परिचालन आने के साथ ही निवेश एवं रोजगार के अवसर बढेंगे। वैसे भी आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर की भूमिका में बड़ा बदलाव आने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रप्रति ट्रॅप की छटपटाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। अमेरिका कभी कनाडा को अमेरिका का राज्य ही बनाने में जुटा है तो यूक्रेन की खनिज संपदा अपने नाम करवाने या रुस पर दबाव बनाने के पीछे धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा ही है। खनिज संपदा पर आज दुनिया के देशों की नजर है। चीन के वर्चस्व का बड़ा कारण उसका आरईई सहित खनिज संपदा पर एकाधिकार ही है और आज चीन के इस वर्चस्व को कम करने में ही जुटे हुए हैं। खैर यह विषयांतर होगा पर एक बात साफ है कि माइनिंग सेक्टर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में तेजी से काम होने लगा है और राजथान ऑक्शन सहित रेवेन्यू अर्जन विकास दर आदि में अव्वल हो गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में विपुल संभावनाओं को देखते हुए राजस्थान के माइनिंग सेक्टर को देश में अग्रणी राज्य बनाने पर जोर देते रहे हैं। नई खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, रिप्स में सहायता प्रावधान, एमनेस्टी योजना सहित प्रक्रिया के सरलीकरण और खनन क्षेत्र विकास के महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। पीएमयू के गठन के साथ ही खनन क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख गतिविधियों को 7 सेक्टरों में चिन्हित किया गया है। प्रमुख सचिव माइन्स टी रविकान्त का मानना है कि सभी क्षेत्रों में समन्वित व तेजी से विकास के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जोड़ते हुए पीएमयू का गठन किया गया है जिससे योजनावद्ध तरीके से तेजी से आगे बढ़ा जा सके। एक्सप्लोरेशन, ऑक्शन, शीघ्र परिचालन, रिसर्च एवं डव्लपमेंट, जीरो लॉस माइनिंग, इकोटूरिज्म की संभावनाओं, पेपरलेस सहित विभिन्न गतिविधियों का समावेश किया गया है। विभाग के वरिष्ठ व विशेषज्ञ अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। खनिज क्षेत्र से जुड़े 7 प्रमुख सेक्टरों में से पहले एक्सप्लोरेशन व ऑक्शन का बनाया गया है। इस दल द्वारां कोमोडिटी, मिनरल ग्रेड, खनन के प्रकार सहित विभिन्न बिन्दुओं पर कार्य करेगी। यह दल जीएसआई सहित तकनीकी विशेषज्ञों से समन्वय बनाते हुए एक्सप्लोरेशन से ऑक्शन आदि संबंधित कार्यों को और अधिक प्रभावी गति दी जा सकेगी। इसी तरह से ऑक्शन किये गये माइनर और मिनरल ब्लॉकों को जल्द से जल्द परिचालन में लाने के लिए संबंधित स्टेक होल्डर्स व खान विभाग सहित संबंधित विभागों से समन्वय बनाते हुए आवश्यक अनुमतियां दिलाने में सहयोग के साथ ही शीघ्र परिचालन में लाने का कार्य करेगी। विभाग का जोर खनन क्षेत्र में राजस्व बढ़ाने और राजस्व में किसी भी तरह की छीजत को रोकना भी है और इसके लिए एक दल को मोनेटरिंग सहित आवश्यक सभी जिम्मेदारियां दी गई है।

अधिकांश पुलिस जातिवादी और सांप्रदायिक है

एस.आर. दारापुरी

हरियाणा के एक दलित आई.पी.एस. अधिकारी वाई. पूरन कुमार की हालिया आत्महत्या ने एक बार फिर पुलिस संगठन के भीतर जातिगत भेदभाव के सवाल को जन्म दिया है। मैंने उत्तर प्रदेश में 32 वर्षों तक पुलिस विभाग में सेवा की और पाया कि पुलिस न केवल जातिवादी है, बल्कि सांप्रदायिक भी है। ये पूर्वाग्रह न केवल जनता के साथ व्यवहार करते समय, बल्कि संगठन के भीतर भी व्याप्त हैं। मैं नीचे संगठन के भीतर अपने अनुभव पर चर्चा कर रहा हूँ। कुछ समय पहले महाराष्ट्र की एक पुलिस अधिकारी, भाग्यश्री नवटेके का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह यह शेखी बघारती हुई दिखाई दे रही हैं कि कैसे वह दलितों और मुसलमानों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करती हैं और उन्हें प्रताड़ित करती हैं। यह भारतीय पुलिस बल में सामाजिक पूर्वाग्रहों की एक कच्ची लेकिन सच्ची तस्वीर पेश करता है। यह एक सच्चाई है कि आखिरकार हमारे पुलिसकर्मी समाज से ही आते हैं, इसलिए पुलिस संगठन हमारे समाज का सच्चा प्रतिरूप है। यह सर्वविदित है कि हमारा समाज जाति, धर्म, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय आधार पर विभाजित है। इसलिए, जब समाज के लोग पुलिस संगठन में प्रवेश करते हैं, तो वे अपने साथ अपने सभी पूर्वाग्रह और पक्षपात लेकर आते हैं। जब ऐसे लोग सत्ता के पदों पर आसीन होते हैं, तो ये पूर्वाग्रह और भी मजबूत हो जाते हैं। उनकी व्यक्तिगत पसंद-नापसंदय जातिगत और सांप्रदायिक पूर्वाग्रह उनके कार्यों को बहुत मजबूती से प्रभावित करते हैं। ये पूर्वाग्रह अक्सर उनके व्यवहार और कार्यों में उन स्थितियों में प्रदर्शित होते हैं जहाँ अन्य जातियों या समुदायों के लोग शामिल होते हैं। जब मैं 1976 में गोरखपुर में सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के रूप में तैनात था, तब मेरे ध्यान में स्पष्ट जातिगत भेदभाव की स्थिति आई। एएसपी के रूप में मैं रिजर्व पुलिस लाइंस का प्रभारी था। एक मंगलवार को, जो परेड का दिन था, पुलिस मेस का चक्कर लगाते समय मैंने पाया कि कुछ लोग सीमेंट की मेजों और बेंचों पर बैठकर खाना खा रहे थे, जबकि कुछ जमीन पर बैठे थे। मुझे यह अजीब लगा। मैंने एक हेड कांस्टेबल को बुलाया और खाने की इस स्थिति के बारे में पूछताछ की। उन्होंने मुझे बताया कि बेंचों पर बैठे लोग ऊँची जाति के हैं और जमीन पर बैठे लोग नीची जाति के। पुलिस लाइन में जातिगत भेदभाव का यह खुला प्रदर्शन देखकर मैं हैरान रह गया। मैंने इस भेदभावपूर्ण प्रथा को खत्म करने का फैसला किया। इसलिए अगली बार जब मैंने वही स्थिति देखी तो मैंने जमीन पर बैठे पुलिसकर्मियों से उठकर बेंचों पर बैठने को कहा। मुझे एक-दो बार यही दोहराना पड़ा और मैं अलग-अलग खाने की इस भेदभावपूर्ण प्रथा को बंद कराने में कामयाब रहा। संयोग से उसी दौरान मेरे बॉस ने मुझसे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयुक्त की 1974 की रिपोर्ट पर एक रिपोर्ट देने को कहा, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया था कि पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार की पुलिस लाइंस में अलग-अलग खाने की प्रथा थी। मैंने अपने बॉस को बताया कि यह सच है और मैंने हाल ही में इस प्रथा को खत्म किया है। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं बस यह लिख दूं कि अब यह प्रथा नहीं है। मुझे पूर्वी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों के बारे में नहीं पता, लेकिन गोरखपुर जिले में मैंने इसे खत्म कर दिया था। कुछ समय पहले खबर आई थी कि आज भी बिहार पुलिस में न केवल अलग-अलग खाने की प्रथा है, बल्कि ऊंची और नीची जाति के लोगों के लिए अलग-अलग बैरक भी हैं। यह चौंकाने वाली बात है कि यह आज भी जारी है, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयुक्त ने 1974 में ही इस भेदभावपूर्ण प्रथा की ओर इशारा किया था। दरअसल, पुलिस बल में उच्च जाति के लोगों का वर्चस्व है और इस तरह की भेदभावपूर्ण प्रथाएँ बेरोकटोक जारी हैं। आरक्षण नीति के कारण ही निम्न जातियों, खासकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों (एससी और एसटी) के कुछ लोगों को पुलिस बल में जगह मिली है, जिससे पुलिस बल अधिक धर्मनिरपेक्ष और प्रतिनिधित्वपूर्ण बना है, हालाँकि, अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व अभी भी बहुत कम है। फिर भी, पुलिसकर्मियों में जातिगत, सांप्रदायिक और लैंगिक पूर्वाग्रह काफी प्रबल हैं। यह भेदभाव इस वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ व्यवहार एवं पोस्टिंग आदि में भी परिलक्षित होते हैं। जैसा कि हम जानते हैं कि उत्तर प्रदेश में प्रांतीय सशस्त्र पुलिस के खिलाफ सांप्रदायिक पूर्वाग्रह की शिकायतें अक्सर आती रही हैं। 1979 में जब मैं 34वीं बटालियन पीएसी, वाराणसी में कमांडेंट के रूप में तैनात था, तब मुझे यह बात सच लगी। इस बात का पता चलने पर मुझे अपने जवानों को धर्मनिरपेक्ष बनाने के लिए काफी प्रयास करने पड़े। मैंने हमेशा उन्हें जाति और सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों से ऊपर रहने का उपदेश देने का ध्यान रखा। मैं उनसे कहा करता था कि धर्म उनका निजी मामला है और आप केवल वर्दी पहनने पर ही पुलिस के जवान होते हैं और कानून के अनुसार काम करने के लिए आपके कर्तव्य हैं। मेरी लगातार ब्रीफिंग और डीब्रीफिंग का उन पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ा और मैं अपने जवानों को धर्मनिरपेक्ष बनाने में सक्षम रहा। 1991 में वाराणसी में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान यह बात बिल्कुल स्पष्ट हो गई।

नामीबिया ने टी20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 4 विकेट से हराकर रचा इतिहास

विंडहोक। शनिवार को डोनोवन फरेरा की अगुआई वाली दूसरी दर्जे की दक्षिण अफ्रीका टीम को हराकर नामीबिया का सपना साकार हो गया। नामीबिया ने आईसीसी के पूर्ण सदस्य के खिलाफ पहली जीत दर्ज की। नामीबिया ने शनिवार को रोमांचक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका को अंतिम गेंद में चार विकेट से हराकर आईसीसी के पूर्ण सदस्य के खिलाफ पहली जीत दर्ज की। नामीबिया ने अपने घरेलू मैदान नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए दक्षिण अफ्रीका को आठ विकेट पर 134 रन पर रोक दिया। इसके बाद मेजबान टीम ने अपनी पारी की आखिरी गेंद पर जीत हासिल की। टीम ने छह विकेट पर 138 रन बनाए और जीत के बाद एक 'लैप ऑफ ऑनर' भी हुआ। आईसीसी एसोसिएट सदस्य नामीबिया ने इस टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किसी भी प्रारूप में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला था, लेकिन शनिवार को डोनोवन फरेरा की अगुआई वाली दूसरी दर्जे की दक्षिण अफ्रीका टीम को हराकर उनका सपना साकार हो गया।

किस बात से असुरक्षित महसूस कर रही हैं संगीता बिजलानी

तीन महीने पहले एक्ट्रेस संगीता बिजलानी के पुणे स्थिति फार्महाउस में ऐसी घटना घटी कि वह अब तक सदमे में हैं। इस घटना की वजह से वह खुद को काफी असुरक्षित महसूस कर रही हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला?

संगीता बिजलानी ने हाल ही में अपने फार्महाउस में हुई चोरी की जांच की स्थिति जानने के लिए पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल से मुलाकात की। संगीता ने कहा कि उन्होंने अपनी सुरक्षा की चिंताओं का हवाला देते हुए बंदूक लाइसेंस के लिए भी आवेदन किया है। बताते चलें कि तीन महीने पहले संगीता बिजलानी के फार्महाउस पर सेंधमारी की वारदात को कुछ अज्ञात लोगों ने अंजाम दिया था।

अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है

जुलाई में कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने संगीता बिजलानी की संपत्ति में सेंध लगाई। रेफ्रिजरेटर, टीवी सेट और फर्नीचर जैसे घरेलू सामान तोड़ दिए और दीवारों पर अश्लील चित्र बना दिए। पुलिस के अनुसार वे 50,000 रुपये नकद और 7,000 रुपये मूल्य का एक टेलीविजन भी ले गए। इस घटना पर संगीता बिजनानी ने पीटीआई से बातचीत में कहा, मैं पिछले 20 साल से वहां रह रही हूं। पावना मेरे लिए एक घर रहा है।

संगीता बिजलानी ने आगे कहा, एसपी गिल ने आश्वासन दिया है कि पुलिस मामले की तह तक जाएगी और दोषियों को पकड़ेगी।

चोरी की घटना से सहम गई थीं संगीता

संगीता बिजलानी आगे कहती हैं, चोरी और घर में सेंधमारी हुई थी। यह डरावना था। सौभाग्य से मैं वहां नहीं थी। घर के अंदर दीवार पर अश्लील बातें लिखी थी, चित्र बने थे। पावना में कई निवासी हैं, जिनमें बुजुर्ग लोग और परिवार शामिल हैं। अब सुरक्षा अहम हो गई है। मेरे फार्महाउस में हुई सेंधमारी की घटना के कारण पावना के लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

बंदूक लाइसेंस की मांग की

संगीता बिजलानी को जिंदगी में पहली बार आत्मरक्षा के लिए हथियार रखने की जरूरत महसूस हो रही है। वह कहती हैं, इस घटना के बाद मैंने पुणे ग्रामीण पुलिस से बंदूक का लाइसेंस मांगा है। एक महिला होने के नाते अगर मैं घर में अकेली जाती हूं, तो मुझे लगता है कि किसी तरह की सुरक्षा जरूरी है। मुझे कभी बंदूक का लाइसेंस लेने की जरूरत महसूस नहीं हुई। लेकिन यह पहली बार है, जब मैं असुरक्षित महसूस कर रही हूं।

संगीता बिजलानी ने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अधिकारी कड़े कदम उठाएंगे और इलाके के लोगों का विश्वास बहाल करने के लिए जांच में तेजी लाएंगे।

प्रियंका चोपड़ा के लिए पति निक जोनस ने किया ऐसा खास काम, वायरल हुआ वीडियो

निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा अक्सर ही अपनी पोस्ट के जरिए सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं। लेकिन आज प्रियंका ने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके पति निक जोनस उनके लिए कुछ खास करते नजर आए।

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस बॉलीवुड के पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। वह अपनी केमिस्ट्री से हमेशा दिखाते आए हैं कि वे कितने प्यारे कपल हैं। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया, जिसमें निक अपनी पत्नी प्रियंका के लिए कुछ खास करते नजर आए।

क्या खास है इस वीडियो में

प्रियंका वीडियो में कहती नजर आ रही हैं, 'हम हवाई अड्डे जा रहे हैं, लाइव रिकॉर्डिंग कर रही हूं।₹ इस दौरान प्रियंका अपने पति निक की तारीफ करती हैं और कहती हैं, 'तुम इसमें बहुत अच्छे होते जा रहे हो।' वहीं इस वीडियो में निक जोनस कहते हैं कि वे एक साथ कई काम कर रहे हैं–प्रियंका के बाल बना रहे हैं और टीवी पर बेसबॉल मैच भी देख रहे हैं।

मुसीबत में फंसी फिल्म नो एंट्री 2

फिल्म 'नो एंट्री 2' को लेकर अब खबर आ रही है कि फिल्म से वरुण धवन ने भी किनारा कर लिया है। आखिर किस वजह से दिलजीत के बाद वरुण ने भी फिल्म छोड़ दी है, चलिए जानते हैं।

बॉलीवुड की चर्चित कॉमेडी फिल्म नो एंट्री का सीक्वल पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। पहले जहां दर्शक इस फ्रेंचाइजी की वापसी से खुश थे, वहीं अब खबरें आई हैं कि फिल्म की कास्ट में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। पहले दिलजीत दोसांझ ने प्रोजेक्ट से किनारा किया और अब अभिनेता वरुण धवन ने भी नो एंट्री 2 से पीछे हटने का फैसला लिया है।

वरुण धवन के फिल्म छोड़ने की खबर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वरुण धवन की डेट्स फिल्म के शूटिंग शेड्यूल से मेल नहीं खा रहीं, जिसकी वजह से उन्होंने प्रोजेक्ट को छोड़ दिया। वहीं प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने इस खबर पर अभी तक आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि मेकर्स अब दो नए चेहरों की तलाश में हैं जो अर्जुन कपूर के साथ फिल्म में नजर आएंगे।

यह खबर भी पढ़ें: सेट पर स्मृति ईरानी को मिली हैं + सिक्योरिटी? अफवाहों पर तुलसी ने दी प्रतिक्रिया, बोलीं- हंसी आती है...

नो एंट्री 2 की कास्ट में उलटफेर

बताया जा रहा है कि इस फिल्म में पहले वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर को एक साथ लाने का प्लान था। लेकिन जब दिलजीत ने डेट्स और क्रिएटिव डिफरेंसेज के चलते प्रोजेक्ट छोड़ दिया, तो शूटिंग शेड्यूल में बड़े बदलाव किए गए। इसी फेरबदल ने वरुण के लिए मुश्किलें बढ़ा दीं क्योंकि उनके पास पहले से ही भेड़िया 2 की शूटिंग की डेट्स लॉक थीं।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि वरुण इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित थे, लेकिन दिलजीत के जाने के बाद शूटिंग शेड्यूल में ऐसे बदलाव हुए कि सब कुछ मुश्किल हो गया। वरुण की प्राथमिकताएं पहले से तय थीं, इसलिए उन्हें 'नो एंट्री 2' से बाहर होना पड़ा।

दिलजीत दोसांझ से कोई मतभेद नहीं

कुछ दिनों पहले बोनी कपूर ने एक इंटरव्यू में साफ कहा था कि दिलजीत दोसांझ अब फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा था, 'हम अच्छे संबंधों में अलग हुए हैं। उनकी तारीखें हमारे शेड्यूल से मेल नहीं खा रही थीं, लेकिन हम जल्द ही एक पंजाबी फिल्म साथ करने की उम्मीद रखते हैं।'

अब फिल्म की आगे की राह क्या?

अब 'नो एंट्री 2' की टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती है- वरुण और दिलजीत की जगह नए एक्टर्स को कास्ट करना। हालांकि अर्जुन कपूर अभी भी फिल्म का हिस्सा बने हुए हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी पहले से ज्यादा मस्तीभरी और ट्विस्ट से भरी होगी। इसी बीच वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ दोनों ही जेपी दत्ता की फिल्म बॉर्डर 2 में साथ दिखाई देंगे, जिसमें सनी देओल और अहान शेट्टी भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

कहां से होती है युजवेंद्र की एक्स वाइफ की कमाई

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद धनश्री वर्मा सुर्खियों में हैं। इन दिनों वह शो 'राइज एंड फॉल' में अच्छा कर रही हैं। आइए जानते हैं उनकी नेटवर्थ कितनी है?

हाल ही में धनश्री वर्मा का क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ तलाक हुआ है। इसके बाद से वह लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। तलाक के बाद उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अलग होने के बाद युजवेंद्र चहल ने कहा था कि धनश्री का घर उनके नाम से चलता है। आइए जानते हैं धनश्री वर्मा का इंकम सोर्स क्या है और उनके पास कुल कितनी संपत्ति है?

इन कामों के लिए मशहूर हैं धनश्री

धनश्री वर्मा ने कोरियोग्राफर, डांसर और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। वह यूट्यूब चैनल पर अपने कंटेंट की वजह से काफी मशहूर हुई हैं। धनश्री वर्मा अपनी डांस वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। इस पर कई लाइक्स और व्यूज आते हैं। बताया जाता है कि सोशल मीडिया से उनकी अच्छी कमाई होती है। ब्रांड रील के लिए वह लाखों में रुपये लेती हैं।

धनश्री वर्मा की नेटवर्थ

खबरों के मुताबिक धनश्री वर्मा की नेटवर्थ 24 से 25 करोड़ रुपये है। उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा डांस और सोशल मीडिया पर ब्रांड एंडोर्समेंट से आता है। कोरियोग्राफी से भी उनकी कमाई होती है। उनके यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर अच्छी फैन फॉलोइंग है। धनश्री वर्मा अपने फैशन और आउटफिट के जरिए सुर्खियों में रहती हैं। कई लड़कियां उनके फैशन को कॉपी करती हैं।

पॉपुलर शो में आ रहीं नजर

धनश्री वर्मा इन दिनों शो राइज एंड फॉल में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आ रही

हैं। शो को काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें धनश्री वर्मा लोगों का ध्यान खींच रही हैं।

तेलुगु फिल्मों में डेब्यू

धनश्री वर्मा ने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में भी नजर आने वाली हैं। वह जल्द ही फिल्म 'अकसम दाति वास्तव' का हिस्सा होंगी। वह इस फिल्म में डांस करती हुई नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ कोरियोग्राफर यश और मलयालम अभिनेत्री कार्तिका मुरालीधरन भी होंगी।

निजी जिंदगी

निजी जिंदगी की बात करें तो धनश्री वर्मा ने भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ साल 2020 में शादी की थी। डेढ़ साल बाद दोनों तलाक के जरिए अलग हो गए। तलाक के बाद दोनों ने एक दूसरे पर कई आरोप लगाए हैं।

'मैं जो भी सोचूं, कहूं, करूं वह मेरे सर्वोच्च स्व का सम्मान करे', कैसी जिंदगी जीना चाहती हैं सामंथा रुथ प्रभु

साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी जिंदगी के एक खास अनुभव को साझा किया। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर कई खास तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। साथ ही एक जिंदगी को लेकर एक खास नोट भी लिखा। सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने कथित रूमर्ड बॉयफ्रेंड राज निदिमोरु के साथ लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच सामांथा ने अपनी लाइफ को कैसे जीना चाहिए। इसको लेकर एक खास पोस्ट सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। सामांथा का पोस्ट सामंथा रुथ प्रभु ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कई शानदार तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। इसके साथ ही सामंथा ने कैप्शन में अपने विचार, शब्द और काम उनके सबसे अच्छे व्यक्तित्व के बारे में बताया। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि शांत पलों में उन्हें यह समझ आया कि वह इसे सिर्फ कहने की बजाय जीना चाहती हैं। सामांथा के शेयर किए खूबसूरत पल उन्होंने कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं, जिनमें वह पूजा करती, जिम में व्यायाम करती और अपने कुत्तों के साथ खेलती नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में वह नारंगी रंग का सूट पहने पूजा करती दिखीं। सामंथा के इस पोस्ट को उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। सामांथा के फैंस उनकी इस पोस्ट पर लाल दिल वाले और फायर इमोजी शेयर कर रहे हैं। सामंथा का हालिया पोस्ट पिछले हफ्ते सामंथा ने एक इंस्टाग्राम द&अ में बताया कि एक उद्धरण ने उनकी सोच बदल दी। उन्होंने कहा, 'आपको अपना उद्देश्य उन चीजों में मिलेगा जो आपको परेशान करती हैं।' इससे उनकी जिंदगी आसान हुई और वह दूसरों को भी इसे आजमाने की सलाह देती हैं। सामंथा ने स्कूल से सीखी बातों के बारे में भी बताया।

काश उस पल को महसूस कर पाती, जिगरा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिलने पर इमोशनल हुई आलिया भट्ट

शनिवार को अहमदाबाद में 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड में आलिया भट्ट को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड फिल्म जिगरा के लिए मिला। लेकिन वह अवॉर्ड लेने के लिए वहां मौजूद नहीं थी। इस अवॉर्ड को लेकर रविवार को आलिया ने एक इमोशनल पोस्ट की हैं।

फिल्म जिगरा आलिया भट्ट के दिल के बहुत करीब है। यह उनकी पहली एक्शन ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म में आलिया का उम्दा अभिनय और एक्शन दर्शकों ने देखा। शनिवार को फिल्म जिगरा के लिए ही आलिया भट्ट को फिल्मफेयर अवॉर्ड 2025 में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। वह अवॉर्ड फंक्शन में शामिल नहीं हो पाई। लेकिन आज आलिया ने एक स्पेशल पोस्ट इस अवॉर्ड और फिल्म जिगरा की टीम के लिए की है।

आलिया भट्ट ने सबका शुक्रिया अदा किया

आलिया भट्ट अपनी पोस्ट में लिखती हैं, फिल्म जिगरा मेरे दिल के सबसे करीब रहेगी। सिर्फ उस कहानी के लिए नहीं, जो हमने सुनाई बल्कि उन बेहतरीन लोगों के लिए, जिन्होंने इसे यादगार बनाया। फिल्म के निर्देशक वसन बाला आपने इसे जिस तरह से बनाया है, उसके लिए शुक्रिया। एक्टर वेदांग रैना और बाकी टीम ने जो ईमानदारी दिखाई, उसके लिए शुक्रिया। इस सम्मान के लिए फिल्मफेयर का का बहुत-बहुत शुक्रिया। काश मैं उस पल को खुद महसूस कर पाती, लेकिन मेरा दिल इस वक्त भरा हुआ है। आलिया भट्ट ने करण जौहर और धमार्मूवीज का भी शुक्रिया अदा किया।

वह आगे पोस्ट में लिखती हैं, मैं असल जिंदगी की जिगरा शाहीन भट्ट (बहन) की शुक्रगुजार रहूंगी। उसने हमेशा मुझे धैर्य बनाए रखने को कहा।

आलिया की अपकमिंग फिल्म भी होगी एक्शन से भरपूर

आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्म अल्फा है। यह एक एक्शन स्पाई थ्रिलर फिल्म होगी। आलिया भट्ट के साथ इसमें शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। फिल्म 'अल्फा' इसी साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। यह फिल्म यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में बॉबी देओल भी एक अहम रोल निभाएंगे।

इसके अलावा आलिया भट्ट रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' भी कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल 2026 में रिलीज हो सकती है।

देखें महिला विश्व कप जीतने वाली टीमों की सूची

नई दिल्ली। महिला विश्व कप इतिहास में ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम रही है। उसने अब तक सात बार (1978, 1982, 1988, 1997, 2005, 2013 और 2022) खिताब अपने नाम किया है। महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 इस समय भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जा रहा है। यह टूनार्मेंट महिला क्रिकेट इतिहास का 13वां संस्करण है। अब तक हुए 12 संस्करणों में सिर्फ तीन टीमों ने ही चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। इनमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड का नाम शामिल है। पहला विश्व कप इंग्लैंड के नाम महिला क्रिकेट विश्व कप की शुरूआत वर्ष 1973 में इंग्लैंड में हुई थी। इस पहले टूनार्मेंट में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रचा और पहली विश्व कप विजेता टीम बनी। उस समय महिला क्रिकेट अभी शुरूआती दौर में था, लेकिन इस आयोजन ने महिला खेलों को नई पहचान दी। ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम महिला विश्व कप इतिहास में ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम रही है। उसने अब तक सात बार (1978, 1982, 1988, 1997, 2005, 2013 और 2022) खिताब अपने नाम किया है।

अफगानिस्तान का दावा- बीती रात पाकिस्तान के 58 सैनिक मारे

इस्लामाबाद : पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, दोनों देशों के बीच अंगूर अड्डा, बाजौर, कुर्रम, दीर, चित्राल और खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान को बरामचा समेत कई अग्रिम चौकियों पर झड़प हुई।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सेनाओं के बीच सीमा पर कई इलाकों में लड़ाई चल रही है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष बढ़ सकता है। इससे पहले शनिवार की रात भी अफगानिस्तान की तरफ से तालिबान लड़ाकों द्वारा पाकिस्तान की अग्रिम सीमा चौकियों पर गोलीबारी की गई थी। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने दावा किया है कि शनिवार रात की गई गोलीबारी में पाकिस्तान के 58 सैनिक मारे गए हैं। रविवार की सुबह पाकिस्तान की तरफ से अफगानिस्तान की कई अग्रिम चौकियों पर टैंक, तोप और ड्रोन्स की मदद से जवाबी हमला किया गया है। दोनों देशों के बीच बढ़ते संघर्ष को देखते हुए दुनियाभर के देशों ने चिंता जाहिर की है। इन इलाकों में हुई हिंसक झड़प पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, दोनों देशों के बीच अंगूर अड्डा, बाजौर, कुर्रम, दीर, चित्राल और खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान को बरामचा समेत कई अग्रिम चौकियों पर झड़प हुई। पाकिस्तान का दावा है कि टीटीपी के आतंकियों को पाकिस्तान में घुसपैठ कराने के लिए सीमा पर गोलीबारी की गई। पाकिस्तानी मीडिया एक्सप्रेस ट्रिब्यून का दावा है कि गोलीबारी में अफगानिस्तान की कई चौकियां तबाह हो गई हैं और कई अफगानी सैनिक और टीटीपी आतंकी मारे गए हैं। हालांकि रिपोर्ट में मृतकों और घायलों के सही आंकड़े नहीं बताए गए। अफगानिस्तान का 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा तालिबान ने रविवार को कहा कि उसने रात भर सीमा पर चलाए गए अभियानों में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। यह कार्रवाई उसने अपने क्षेत्र और हवाई क्षेत्र में बार-बार हो रहे उल्लंघन के जवाब में की है। इस सप्ताह की शुरूआत में, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और देश के पूर्वी हिस्से में एक बाजार पर बमबारी की। हालांकि पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता, जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान बलों ने 25 पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया है, 58 सैनिक मारे हैं और हमलों में 30 अन्य पाकिस्तानी सैनिक घायल हुए हैं। अब तक क्या क्या हुआ तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान ने हाल के वर्षों में पाकिस्तान में कई बड़े आतंकी हमलों को अंजाम दिया है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी नेताओं को अफगान तालिबान का समर्थन है। हालांकि दोनों देशों के बीच कई बार यह मुद्दा उठने के बावजूद हमलों को रोकने के लिए कोई खास कदम नहीं उठाए गए। बीते हफ्ते खैबर पख्तूनख्वा के अरकजई इलाके में हुई मुठभेड़ में एक लेफ्टिनेंट कर्नल समेत 11 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत से पाकिस्तान तिलमिला गया और यही वजह रही कि पाकिस्तान ने ही हाल ही में काबुल में बड़ा हवाई हमला कर टीटीपी नेताओं को निशाना बनाने की कोशिश की। अफगानिस्तान ने पाकिस्तानी हवाई हमले के जवाब में सीमा पर कई पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाया और भारी गोलीबारी की। कुनार, नांगरहार, पक्तिका, खोश्त और हेलमंद इलाकों में सीमा पर दोनों तरफ से गोलीबारी की पुष्टि हुई है।

डोनाल्ड ट्रंप की आयु 79 वर्ष, लेकिन हृदय की गति 65 साल जैसी; दूसरे सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति

वॉशिंगटन : व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव को जारी किए गए मेमो में ट्रंप के चिकित्सक डॉ. सीन बारबेला ने कहा ट्रंप का हृदय, फेफड़े, तंत्रिका संबंधी और शारीरिक प्रदर्शन मजबूत है। उनके दिल की आयु ईसीजी के जरिये हृदय की जीवन शक्ति का एक मान्य माप, उनकी वास्तविक उम्र से लगभग 14 वर्ष कम पाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति के डॉक्टर ने व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक मेमो में कहा कि मेडिकल मूल्यांकन में डोनाल्ड ट्रंप की सेहत असाधारण और बेहतर पाई गई है। उनकी हृदय संबंधी आयु वास्तविक उम्र से 14 वर्ष कम है। यानी 79 वर्षीय ट्रंप की वास्तविक उम्र 65 साल जैसी है। वह देश के राष्ट्रपति के रूप में सेवा करने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं। नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में कराई स्वास्थ्य जांच ट्रंप ने 'वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर' में स्वास्थ्य जांच कराई, जहां डॉक्टर ने उन्हें स्वस्थ बताया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव को जारी किए गए मेमो में ट्रंप के चिकित्सक डॉ. सीन बारबेला ने कहा, ट्रंप का हृदय, फेफड़े, तंत्रिका संबंधी और शारीरिक प्रदर्शन मजबूत है। उनके दिल की आयु ईसीजी के जरिये हृदय की जीवन शक्ति का एक मान्य माप, उनकी वास्तविक उम्र से लगभग 14 वर्ष कम पाया गया। बता दें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन अपने कार्यकाल के अंतिम समय में रोगों का शिकार हो गए थे। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व की यात्रा से पहले शुक्रवार को मैरीलैंड के बेथेस्डा स्थित वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में स्वास्थ्य जांच कराई थी। 79 वर्षीय ट्रंप जनवरी में व्हाइट हाउस में दोबारा कार्यभार संभालने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं। व्हाइट हाउस ने इसे ट्रंप की नियमित जांच बताई थी। यह जांच उनके व्यापक शारीरिक परीक्षण के छह महीने बाद की गई। बता दें, जुलाई में व्हाइट हाउस ने खुलासा किया था कि ट्रंप के पैरों के निचले हिस्से में सूजन और दाहिने हाथ पर चोट के निशान हैं, जबकि तस्वीरों में राष्ट्रपति के टखने सूजे दिखाई दे रहे थे। उनके हाथ का प्रभावित हिस्सा मेकअप से ढका हुआ था।

अमेरिका छोड़कर अब इस देश में रहेंगे नोबेल विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी, जानें क्या है वजह

वॉशिंगटन । इस साल का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार सोमवार को घोषित किया जाएगा। इस बीच अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो का स्विट्जरलैंड जाना अकादमिक जगत में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। वे स्विट्जरलैंड के यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख में नया केंद्र खोलेंगे। अमेरिका में रिसर्च पर बढ़ते राजनीतिक दबाव को देखते हुए इसे एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

अमेरिका में रिसर्च फंडिंग और विश्वविद्यालयों की आजादी पर हो रहे हमलों के बीच दो मशहूर अर्थशास्त्री, अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो, ने अमेरिका छोड़ने का फैसला किया है। दोनों अब स्विट्जरलैंड के यूनिर्वसिटी ऑफ ज्यूरिख में काम करेंगे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिकी वैज्ञानिकों के दूसरे देशों में जाने को लेकर 'ब्रेन ड्रेन' की आशंका जताई जा रही है। जुलाई से नई भूमिका शुरू होगी अब तक दोनों अर्थशास्त्री मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में पढ़ा रहे थे। विश्वविद्यालय ने बताया कि जुलाई 2026 से अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो उसकी अर्थशास्त्र संकाय में शामिल होंगे। दोनों को लेमन फाउंडेशन द्वारा फंड की गई 'एंडाउड प्रोफेसरशिप दी जाएगी। नया 'लेमन सेंटर' भी बनेगा अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो यूजेडएच में एक नया शोध केंद्र बनाएंगे, जिसका नाम लेमन विकास, शिक्षा और सार्वजनिक नीति केंद्र होगा। इसका मकसद विकास, शिक्षा और नीतियों से जुड़ा ऐसा शोध करना होगा, जिसका सीधा असर दुनिया भर की सरकारी नीतियों पर पड़े। यह केंद्र शोधकताओं और शिक्षा नीति बनाने वाले संस्थानों को आपस में जोड़ने का भी काम करेगा। अमेरिका से क्यों जा रहे हैं दोनों अर्थशास्त्री? विश्वविद्यालय के बयान में उनके जाने की वजह साफ नहीं बताई गई। लेकिन हाल में अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा रिसर्च फंडिंग में कटौती और विश्वविद्यालयों की अकादमिक स्वतंत्रता पर हमले के चलते कई वैज्ञानिक और प्रोफेसर नाराज हैं। कई देशों ने इस माहौल का फायदा उठाकर अमेरिकी वैज्ञानिकों को अपने यहां आकर्षित करने की कोशिश शुरू कर दी है। खुद एस्थर डुफ्लो ने मार्च में फ्रांसीसी अखबार 'ले मोंडे' में एक संपादकीय पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें अमेरिकी विज्ञान पर हो रहे बेहद खतरनाक हमलों' की आलोचना की गई थी। 'काम को और आगे बढ़ाने का मौका' डुफ्लो ने कहा, 'लेमन सेंटर की मदद से हम अपने उस काम को और मजबूत बना पाएंगे जो अकादमिक रिसर्च, छात्रों का मार्गदर्शन और असली नीतिगत बदलावों के बीच पुल बनाता है।' दोनों एमआईटी में पार्ट-टाइम भूमिकाएं भी जारी रखेंगे।

पूर्वी अफ्रीकी देश सेशेल्स के राष्ट्रपति बनेंगे हर्मिनी, चुनावी जीत पर पीएम मोदी ने दी बधाई

विक्टोरिया : सेशेल्स में राष्ट्रपति चुनाव में हर्मिनी की जीत न सिर्फ उनकी पार्टी की वापसी है, बल्कि यह जनमत का साफ संकेत भी है कि लोग पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समस्याओं पर ठोस कार्रवाई चाहते हैं। वहीं भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें इस जीत पर बधाई दी है।

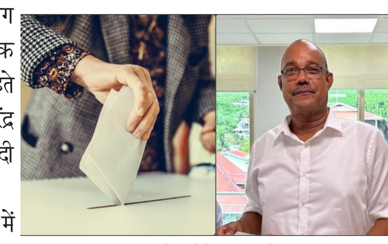

सेशेल्स के राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी नेता पैट्रिक हर्मिनी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति वेवल रामकलावन को कड़े मुकाबले में हराकर सत्ता पर कब्जा कर लिया। रविवार तड़के आए आधिकारिक नतीजों के अनुसार, हर्मिनी को 52.7% वोट मिले, जबकि रामकलावन को 47.3% वोट ही हासिल हुए। सत्ता में पुरानी पार्टी की वापसी पैट्रिक हर्मिनी यूनाइटेड सेशेल्स पार्टी का नेतृत्व करते हैं, जिसने 1977 से 2020 तक यानी करीब चार दशक तक इस हिंद महासागर के छोटे द्वीपीय देश पर शासन किया था। 2020 में इस पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब दोबारा सत्ता में उसकी वापसी हुई है। वहीं रामकलावन सेशेल्वा डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी से आते हैं और 2020 से राष्ट्रपति पद पर थे। वे इस बार दूसरा कार्यकाल चाहते थे, लेकिन जनता ने बदलाव को प्राथमिकता दी। पीएम मोदी ने हर्मिनी को दी बधाई प्रधानमंत्री मोदी ने पैट्रिक हर्मिनी को राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने पर बधाई दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- सेशेल्स के राष्ट्रपति चुनाव में डॉ. पैट्रिक हर्मिनी की जीत पर हार्दिक बधाई। हिंद महासागर का जल हमारी साझी विरासत है और हमारे लोगों की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं का पोषण करता है। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति के रूप में उनके कार्यकाल में हमारे समय-परीक्षित और बहुआयामी संबंध और प्रगाढ़ होंगे तथा और गति पकड़ेंगे। आगामी कार्यकाल के लिए उन्हें मेरी शुभकामनाएं। सेशेल्स में राष्ट्रपति पद की चुनावी तस्वीर दो हफ्ते पहले हुए पहले दौर के मतदान में कोई भी उम्मीदवार बहुमत नहीं पा सका था।

अमेरिका ने 100% टैरिफ लगाया तो उठाएंगे सख्त कदम', चीन ने दुर्लभ खनिज निर्यात पर प्रतिबंध का किया बचाव

बीजिंग। चीन ने रविवार को दुर्लभ खनिजों और उनसे जुड़ी वस्तुओं पर अपने नए निर्यात नियंत्रण उपायों का बचाव किया और कहा कि यह वैश्विक शांति की रक्षा के लिए उठाया गया जायज कदम है। इसके साथ ही चीन ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीनी निर्यात पर सौ फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी को अमल में लाते हैं, तो वह सख्त कदम उठाएगा। बीजिंग ने गुरुवार को दुर्लभ खनिजों, लिथियम बैटरियों और इन खनिजों से बनी अत्यधिक कठोर सामग्री के खनन और प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) से जुड़ी तकनीकों और उपकरणों के निर्यात पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की थी। ये नए नियंत्रण उपाय तत्काल प्रभाव से लागू हो गए और इसमें उत्पादन तकनीकों का विदेशी स्थानांतरण भी शामिल है। इन नियंत्रण उपायों (जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गए) में उत्पादन तकनीकों का विदेशी स्थानांतरण भी शामिल है। चीन ने कहा कि यह फैसला इस वजह से लिया गया है, क्योंकि कुछ विदेशी कंपनियां चीन से मिली सामग्री का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए कर रही थीं। चीन के इस कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नवंबर से चीनी वस्तुओं पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वह 'सभी जरूरी सॉफ्टवेयर' के निर्यात पर रोक लगा सकते हैं। इससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच चल रहा व्यापार युद्ध एक बार फिर भड़क सकता है। रविवार को चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में ट्रंप की धमकी पर जवाब दिया और अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह 'राष्ट्रीय सुरक्षा' की अवधारणा का जरूरत से ज्यादा विस्तार कर रहा है।

कैलिफोर्निया के तट पर क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर, सामने आया हादसे का भयानक वीडियो

वॉशिंगटन : अधिकारियों का कहना है कि हादसे का शिकार हुआ विमान 1980 बेल 222 (टेल नंबर ठ222ए) है। इस हेलीकॉप्टर के मालिक विमानन क्षेत्र के जाने-माने व्यक्ति एरिक निक्सन हैं।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक भीषण हेलीकॉप्टर हादसा हुआ है। यह हादसा स्थानीय समय अनुसार, शनिवार दोपहर करीब दो बजे कैलिफोर्निया के हंटिंग्टन स्ट्रीट और पैसिफिक कोस्ट हाइवे के नजदीक हुआ। इस हादसे में पांच लोग घायल हुए हैं। हादसे के वक्त दो लोग हेलीकॉप्टर में सवार थे, जिन्हें हादसे के बाद हेलीकॉप्टर से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं तीन अन्य लोग हादसाग्रस्त हेलीकॉप्टर की चपेट में आकर घायल हो गए। हादसे का खौफनाक वीडियो आया सामने हेलीकॉप्टर हादसे का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि हेलीकॉप्टर काफी नीचा उड़ान भर रहा था, उसी दौरान

हेलीकॉप्टर के पंख वहां मौजूद ताड़ के पेड़ों की पत्तियों से टकरा गए। इससे हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आई और हेलीकॉप्टर अचानक से ऊपर की तरफ उठा और अनियंत्रित होकर क्रैश हो गया। विमानन क्षेत्र के दिग्गज एरिक निक्सन का था हेलीकॉप्टर अधिकारियों का कहना है कि हादसे का शिकार हुआ विमान 1980 बेल 222 (टेल नंबर N222E) है। इस हेलीकॉप्टर के मालिक विमानन क्षेत्र के जाने-माने व्यक्ति एरिक निक्सन हैं। इस दोहरे इंजन वाले मॉडल में दस लोग बैठ सकते हैं और यह लगभग 170 मील प्रति घंटे की गति से उड़ सकता है। आंकड़ों से पता चलता है कि इस हेलीकॉप्टर ने कुल 1,900 घंटे से भी कम उड़ान भरी थी और इसमें गार्मिन नेविगेशन और ड्यूल कंट्रोल लगे थे। हादसे की वजह जानने में जुटे अधिकारी जांच अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और हादसे की वजह जानने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और पैसिफिक कोस्ट हाइवे को भी एहतियातन बंद कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर जब हादसे का शिकार हुआ तो पहले उन्हें लगा कि यह किसी फिल्म शूटिंग का हिस्सा है। हादसा बेहद डरावना था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समुद्र तट पर कार्स एंड कॉप्टर्स नामक कार्यक्रम का आयोजन हो रहा था और हादसे का शिकार हुआ हेलीकॉप्टर भी उसी कार्यक्रम का हिस्सा था।

ट्रंप ने डैन स्कैविनो को बनाया व्हाइट हाउस कार्मिक कार्यालय का प्रमुख, सर्जियो गोर की लेंगे जगह

वॉशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासन में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने मौजूदा डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ डैन स्काविनो को व्हाइट हाउस पर्सनल ऑफिस का प्रमुख नियुक्त किया है। डैन स्काविनो सर्जियो गोर की जगह लेंगे, जो भारत में अमेरिका के अगले राजदूत नियुक्त किए गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ डैन स्काविनो को व्हाइट हाउस प्रेसिडेंशियल पर्सनल ऑफिस का प्रमुख नियुक्त किया है। इस घोषणा की जानकारी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करके दी। ट्रंप प्रशासन में यह कदम प्रशासनिक टीम की मजबूती और योग्य लोगों की नियुक्ति सुनिश्चित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। सर्जियो गोर की जगह लेंगे स्काविनो डैन स्काविनो, जिन्होंने पहले से ही ट्रंप प्रशासन में डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्य किया है, अब सर्जियो गोर की जगह लेंगे। सर्जियो गोर को हाल ही में अमेरिका की सीनेट की तरफ से अमेरिका के अगले भारत राजदूत के रूप में नियुक्ति की गई थी और वे फिलहाल में छह दिन के भारत दौरे पर आए हैं। ट्रंप ने स्काविनो को बताया महान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट में लिखा, 'मैं यह बताते हुए खुश हूं कि महान डैन स्काविनो, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ बने रहने के साथ-साथ, व्हाइट हाउस पर्सनल ऑफिस का नेतृत्व करेंगे। सर्जियो गोर ने इस पद पर शानदार काम किया और अब वे भारत के राजदूत बन रहे हैं। डैन को बधाई, आप शानदार काम करेंगे!' व्हाइट हाउस पर्सनल ऑफिस की क्या होती है जिम्मेदारी? यह ऑफिस सरकार में लगभग सभी पदों के चयन और नियुक्ति की प्रक्रिया की देखरेख करता है। कार्यालय राष्ट्रपति के लिए विभागों और एजेंसियों में योग्य उम्मीदवारों की भर्ती करता है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण और बड़ा पद माना जाता है क्योंकि इसके जरिए राष्ट्रपति प्रशासन में नियुक्तियों का निर्णय लिया जाता है।

'ये अमेरिका के दोहरे मापदंड', 100 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने पर भड़का चीन

बीजिंग : अमेरिका ने चीन के सामान पर पूर्व में भी 30 प्रतिशत टैरिफ लगाया हुआ है। ऐसे में अमेरिका द्वारा चीन से आने वाले सामान पर लगाया गया कुल टैरिफ बढ़कर 130 प्रतिशत हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में चीन पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का एलान किया है। इसे लेकर चीन ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है और अमेरिका पर पलटवार किया है। चीन ने अतिरिक्त टैरिफ को अमेरिका का दोहरा रवैया करार दिया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने

एक बयान में कहा कि हाल ही में अमेरिका ने जो बयान जारी किया है, वह उसका दोहरा रवैया दिखाता है। चीन ने दी कड़ी प्रतिक्रिया चीन ने कहा कि 'अमेरिका की ये कार्रवाई चीन के हितों को भारी नुकसान पहुंचाएगी और साथ ही दोनों देशों के बीच के व्यापार और आर्थिक संबंधों को भी गंभीर रूप से कमजोर करेगी। भारी टैरिफ लगाने की धमकी देना चीन से बात करने का सही तरीका नहीं है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर लगाया अतिरिक्त 100 प्रतिशत टैरिफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका आने वाले चीन के सभी सामानों पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ये टैरिफ 1 नवंबर से लागू होंगे।

इमरान खान की पार्टी में पड़ी फूट, अपने ही सीएम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की थी तैयारी

इस्लामाबाद : अली अमीन गंडापुर की जगह एमपीए सोहेल अफरीदी को खैबर पख्तूनख्वा को नया सीएम बनाने का एलान किया है। पीटीआई संस्थापक इमरान खान के आदेश पर सोहेल अफरीदी का नया सीएम बनाया जा रहा है। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम ने पीटीआई में जारी अंतर्कलह को उजागर कर दिया है। लंबे समय से जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई में फूट पड़ गई है। एक समय इमरान खान के करीबी अली अमीन गंडापुर ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य में पीटीआई की सरकार है और अली अमीन गंडापुर इसके सीएम थे। अली अमीन गंडापुर और पीटीआई नेतृत्व में बढ़ गए थे मतभेद हालांकि बीते काफी समय से पीटीआई नेतृत्व और अली अमीन गंडापुर के बीच मतभेद बढ़ गए थे। साथ ही खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमलों की घटनाएं भी काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में अली अमीन गंडापुर से इस्तीफा देने की मांग की जा रही थी। पार्टी ने अपने ही सीएम अली अमीन गंडापुर को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर ली थी, लेकिन उससे पहले ही शनिवार को गंडापुर ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पीटीआई ने भी अविश्वास प्रस्ताव लाने के विचार को छोड़ दिया। गंडापुर और इमरान खान की बहन में हैं मतभेद पीटीआई ने अली अमीन गंडापुर की जगह एमपीए सोहेल अफरीदी को खैबर पख्तूनख्वा को नया सीएम बनाने का एलान किया है।

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।